हरिभूमि
रायपुर भूमि

- मई में शहर का पारा 41.6 डिग्री प्रदेश में 42 डिग्री तक पहुंचा
- पहली बार पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम हवा रही असरहीन

हल्की से मध्यम वर्षा का दौर जारी

रविवार को भी प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा का दौर जारी रहा। राज्य में सर्वाधिक बारिश 4 सेमी. तक दर्ज की गई और 3 से 1 सेमी. वर्षा 40 फीसदी से अधिक स्थानों पर हुई। आने वाले दिनों में प्री-मानसून एक्टिविटी बढ़ने की वजह से तापमान में बड़ा बदलाव होने की संभावना अभी दिखाई नहीं पड़ रही है। अगले चौबीस घंटे में बस्तर और उससे लगे रायपुर और दुर्ग संभाग में भारी बारिश होने का अनुमान है।

मौसम की स्थिति

रायपुर	34.1	-8
बिलासपुर	36.9	-6
पेंड्रा	34.0	-6
अंबिकापुर	32.8	-7
जगदलपुर	33.8	-4
दुर्ग	35-5	-7.5

अप्रैल में तेवर दिखाने वाली गर्मी मई में गायब नवतपा के दौर में 34-35 डिग्री तापमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस बार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में प्रचंड असर दिखाने वाली गर्मी मई में असरहीन हो गई। लगातार आने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर-पश्चिम की गर्म हवा का आगमन ज्यादा दिनों तक नहीं हो पाया और नवतपा में सर्वाधिक तापमान 34-35 डिग्री से आगे नहीं बढ़ पाया है। इस बार प्रदेश का सर्वाधिक पारा 42 डिग्री दुर्ग में दर्ज हुआ और रायपुर 41.6 से आगे नहीं बढ़ पाया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दस साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब राज्य में मई का महीना तेज गर्मी के बगैर गुजर रहा है। मौसम विभाग ने पूर्व में जारी किए पूर्वानुमान में अप्रैल-मई में भारी गर्मी पड़ने की आशंका जताई थी। अप्रैल में तो गर्मी ने अपना असर दिखाया, मगर मई के महीने में इसका माहौल ही नहीं बन पाया। अप्रैल ⏭शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, केस दर्ज

रायपुर। आजाद चौक थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही एक 24 साल की युवती ने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। आत्महत्या का कारण अब

तक अज्ञात है, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ब्राह्मणपारा में केदारनाथ अवधिया के मकान में किराए से रह रही आरती हनोतवाल ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है। आरती ने तीन माह पूर्व फरवरी में टिकरापारा थाने में लिखित आवेदन दिया था, जिसमें उसने कृष्णकांत साहू के साथ प्रेम संबंध होने तथा उनसे शादी करने की बात का उल्लेख किया है।

बीयर की बोतल से पेट पर हमला, अतड़ियां बाहर

रायपुर। गंज थाना में एक युवक ने दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ अपने दोस्त के पेट पर बीयर की बोतल फोड़कर घोंपने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हमले से युवक की अतड़ियां बाहर निकल गईं, जिसका आंबेडकर अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्गेश यादव ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को अपने दोस्त माऊ उर्फ किशन मिश्रा के साथ गंजपारा शराब दुकान में शराब लेने के लिए गया था। इस दौरान शराब खरीदने के विवाद पर माऊ का शराब खरीदने आए दो लड़कों के साथ विवाद हो गया। दोनों लड़कों ने माऊ के साथ मारपीट की। इस दौरान एक लड़के ने बीयर की बोतल फोड़कर माऊ के पेट में घोंप दी।

मोबाइल शॉप में धावा एक लाख की चोरी

रायपुर। आरंग थाने में एक मोबाइल एसेसरीज शॉप कारोबारी ने अज्ञात के खिलाफ अपने मोबाइल शॉप से नकदी 2 हजार रुपए सहित एक लाख रुपए कीमत की मोबाइल एसेसरीज

तथा अन्य सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लखौली निवासी कुलदीप कुमार चंद्राकर ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। कुलदीप ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर उसकी शॉप में लगे शटर का ताला तोड़कर नकदी, मोबाइल एसेसरीज तथा अन्य सामान चोरी कर ले गया।

कार अड़ाकर कारोबारी के साथ की मारपीट

रायपुर। आमानाका थाने में एक कारोबारी ने एक अज्ञात कार चालक के खिलाफ गाली-गलौज तथा मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। टाटीबंध निवासी हरीश अग्रवाल ने सीजी 04 एनजेड 5911 के चालक के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को अपनी पत्नी को साथ कार में पान खाने मोहबा बाजार गया था। इस दौरान अज्ञात कार चालक उसके कार के सामने अपनी कार को अड़ाकर रोक दिया और हार्न बजाते हुए हरीश को कार पीछे करने को कहते हुए उसके साथ गाली-गलौज कर अपने साथी बुलाकर मारपीट की।

सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र

हेकड़ीबाज बाउंसरों का शहर में निकाला गया जुलूस, भेजे गए जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आंबेडकर अस्पताल में न्यूज कवर करने गए पत्रकारों के साथ मारपीट तथा गाली-गलौज करने के आरोप में मौदहापारा पुलिस ने अस्पताल की सुरक्षा सर्विस उपलब्ध कराने वाली कॉल मी सर्विस के चार बाउंसरों को गिरफ्तार कर लिया। सभी का सिर मुड़ाकर जुलूस निकाला गया। गिरफ्तार बाउंसरों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर चारों को 6 जून तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

पत्रकारों के साथ मारपीट करने के आरोप में पत्रकार तहसीन जैदी तथा शिवम मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने वसीम बाबू, सूरज राजपूत, मोहन राव गौरी तथा जतिन को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तहसीन जैदी अस्पताल में एक चाकूबाजी की घटना का कवरेज करने के लिए रविवार रात 9 बजे अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान अस्पताल के गेट पर मौजूद सुरक्षागार्ड ने पत्रकार को अंदर जाने से रोका और उनके साथ बदसलूकी की। इसका विरोध करने पर सुरक्षागार्ड वसीम तथा अन्य ने तहसीन के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर अन्य पत्रकार अस्पताल पहुंचे तो सुरक्षा में तैनात बाउंसरों ने उनके साथ मारपीट की। इस दौरान वसीम पिस्टल दिखाकर धमकाने लगा।

मेकाहारा अस्पताल में पत्रकारों के साथ की थी अभद्रता

खास बातें

- सुरक्षागार्ड ने पत्रकार को अंदर जाने से रोका और उनके साथ बदसलूकी की
- विरोध करने पर सुरक्षागार्ड वसीम तथा अन्य ने तहसीन के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी
- मारपीट के दौरान वसीम बाबू पिस्टल दिखाकर धमकाने लगा

बाउंसरों का निकाला जुलूस

पुलिस ने वसीम के घर की तलाशी ली तो उसके घर से एक लायसेंसी पिस्टल के साथ कई राउंड जिंदा कारतूस मिले। मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किए गए चारों बदमाशों का आधा सिर मुंडाकर पुलिस जुलूस की शक्ल में कोर्ट में पेश करने ले गई। पत्रकारों के साथ मारपीट की पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव तथा अधिवक्ता संघ रायपुर ने निंदा की है तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नाराज पत्रकारों ने मुख्यमंत्री निवास घेरा

घटना से आहत पत्रकारों ने रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर के नेतृत्व में देर रात दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पत्रकार हितों की सुरक्षा की मांग करते हुए मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह तथा अन्य पुलिस अफसरों के साथ आंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर पत्रकारों को मनाने के लिए पहुंचे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पत्रकारों से फोन पर चर्चा करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। तब पत्रकारों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

सुरक्षा एजेंसी को अस्पताल प्रबंधन का नोटिस

आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि मामले में सुरक्षा एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई के लिए कॉलेज प्रबंधन को पत्र लिखकर सिफारिश की गई थी। मामले में कॉलेज प्रबंधन की ओर से कॉल मी सर्विस से स्पष्टीकरण मांगा गया था। कालेज प्रबंधन को बताया गया है कि चारों बाउंसरों को सेवामुक्त कर दिया गया है। मामले में सुरक्षा ठेका निरस्त कर नई एजेंसी तय करने की सिफारिश भी की गई है।

बीबीए सीएसवीटीयू के अधीन नहीं, इसलिए छात्र पढ़ेंगे पुराना पाठ्यक्रम, रविवि ही कराएगा पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन अर्थात एआईसीटीई द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के साथ-साथ मैनेजनमेंट प्रोग्राम को भी अपने अधीन लिया जा चुका है। मैनेजमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत पूर्व में सिर्फ एमबीए ही एआईसीटीई के अंतर्गत आता था। अब बीबीए भी इसका हिस्सा है। बीबीए सिलेबस के लिए मॉडल करिकुलम फ्रेमवर्क लॉन्च किया जा चुका है। नए सत्र के लिए यह मॉडल करिकुलम बीबीए, बीबीए ऑनर्स और बीबीए ऑनर्स विद रिसर्च कोर्सेज के लिए लॉन्च किया गया है। नए शैक्षणिक सत्र से इसे छात्रों के लिए लागू किए जाने की तैयारी है।

लेकिन प्रदेश के छात्रों के इस नए पाठ्यक्रम का लाभ नहीं मिल सकेगा। वे पूर्व में विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के अनुसार ही पढ़ाई करेंगे। एआईसीटीई के नोटिफिकेशन के बाद तकनीकी विवि को बीबीए पाठ्यक्रम प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों से लेकर अपने अधीन करने की प्रक्रिया प्रारंभ करनी थी। अब तक इसकी शुरुआत ही नहीं की जा ⏭शेष पेज 13 पर

- बीबीए को अपने अधीन ले चुका है एआईसीटीई, प्रदेश में इससे संबंधित प्रक्रिया अब तक नहीं

कार्यपरिषद में रखा जाएगा प्रस्ताव

बीबीए को अन्य विश्वविद्यालयों के स्थान पर अपने संस्थान के अधीन किए जाने और महाविद्यालयों को इस पाठ्यक्रम संचालन के लिए अनुमति प्रदान करने सीएसवीटीयू को प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। इसके लिए सर्वप्रथम विद्यापरिषद द्वारा रूप-रेखा बनाकर इसे बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। विद्यापरिषद की बैठक में प्रस्ताव के पारित होने के बाद कार्यपरिषद की बैठक में प्रस्ताव जाएगा। यहां से पारित होने के बाद इसे राजभवन भेजा जाएगा। राजपत्र में प्रकाशन के बाद ही यह व्यवहार में आएगा। गौरतलब है कि सीएसवीटीयू में कुलपति का पद पिछले वर्ष अक्टूबर माह से रिक्त है। इसके कारण शैक्षणिक कार्य भी अवरुद्ध हैं।

देशभर के 4200 संस्थानों को अप्रूवल

पिछले शैक्षणिक सत्र में एआईसीटीई ने बीबीए, बीसीए और बीएमएस सिलेबस को अपने दायरे में लिया था। इसके साथ ही इनके लिए कोर्स तैयार कर रहा है। काउंसिल अब तक करीब 4200 संस्थानों को इसके लिए अप्रूवल भी दे चुका है। इन संस्थानों में छग के भी महाविद्यालय शामिल हैं। इन कॉलेजों द्वारा संबंधित विवि को संबद्धता शुल्क प्रदान करने के साथ-साथ एआईसीटीई को भी संबद्धता शुल्क प्रदान की जा रही है। इस तरह से दोहरी मार इन कॉलेजों पर पड़ रही है। वहीं एआईसीटीई ने अप्रूव्ड संस्थानों में बीबीए सिलेबस में एनरोल फीमेल स्टूडेंट्स के लिए एक नई स्कॉलरशिप भी शुरू की है।

भारत माला भू-अर्जन घोटाला

150 संदिग्ध मिले, बैंक में उनके 130 अकाउंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत माला परियोजना भू-अर्जन मुआवजा राशि में 48 करोड़ रुपए घोटाला मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, उसमें नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं। अब तक की जांच में भारत माला परियोजना घोटाले में डेढ़ सौ के करीब महासमुंद, अभनपुर के संदिग्ध मिले हैं। उनके महासमुंद के आईसीआईसीआई बैंक में 130 बैंक खाते मिले हैं। खातों में कितना ट्रांजेक्शन किया गया है, ईओडब्ल्यू और एसीबी की टीम इसकी जांच कर रही है।

- संदिग्धों में कई बड़े नेताओं के रिश्तेदारों के नाम शामिल

भारत माला परियोजना के लिए भू-अर्जन घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू तथा एसीबी की टीम ने पिछले महीने एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करते हुए केदार तिवारी, उसकी पत्नी उमा तिवारी के साथ कारोबारी हरमीत सिंह खनूजा तथा विजय जैन को गिरफ्तार किया था, जो वर्तमान में न्यायिक रिमांड में जेल में बंद हैं। ईओडब्ल्यू-एसीबी की टीम ने जिन ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करते हुए दस्तावेज जब्त किए थे। उनकी जांच करने तथा अलग-अलग लोगों से पूछताछ के आधार पर डेढ़ सौ संदिग्धों तथा उनके अकाउंट के बारे में जानकारी मिली है। भारत माला परियोजना की मुआवजा राशि जिन दो दर्जन किसानों के ⏭शेष पेज 13 पर

संदिग्धों में नेताओं के परिजन शामिल

भारत माला परियोजना घोटाला मामले में डेढ़ सौ संदिग्ध किसानों के नाम सामने आए हैं। उनमें कांग्रेस तथा भाजपा से जुड़े कई बड़े नेताओं के परिजनों के नाम होने की सूत्रों ने जानकारी दी है। भारत माला परियोजना घोटाला में राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं के परिजनों ने भी घोटाले को अंजाम दिया है।

संदिग्धों से लगातार पूछताछ

भारत माला परियोजना घोटाले में जिन संदिग्ध किसानों के नाम सामने आए हैं। उनसे ईओडब्ल्यू तथा एसीबी के अफसर लगातार पूछतछ कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तक सौ से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

रिकार्ड की भी जांच

भारत माला परियोजना के लिए जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई है, उनमें जो संदिग्ध किसान पाए गए हैं, ऐसे किसानों की राजस्व विभाग की मदद से जमीन के मालिकाना हक के रिकार्ड की जांच की जा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में भारत माला परियोजना घोटाले में और नए लोगों को ईओडब्ल्यू तथा एसीबी की टीम आरोपी बना सकती है।

बगैर अनुमति दिल के रोग का क्लीनिक संचालित डॉक्टर पर 20 हजार जुर्माना

- सीजीएमएससी की सिफारिश पर जिला प्रशासन का एक्शन
- एम्स के समीप निजी भवन में संचालित किया जा रहा था अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिना अनुमति क्लीनिक खोलकर हृदय संबंधी बीमारियों की जांच और इलाज करने वाले डॉक्टर पर 20 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल की सिफारिश पर जिला प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। हृदय रोग विशेषज्ञ का यह अस्पताल एम्स के समीप एक निजी भवन में चल रहा था।

नियम के मुताबिक मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के बिना प्रदेश में किसी भी चिकित्सक द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं की जा सकती। इसके अलावा नर्सिंग होम एक्ट के तहत ⏭शेष पेज 13 पर

विभाग ने भी भेजा था पत्र

सूत्रों के मुताबिक, डॉ. वसी खान को महीनेभर पहले स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी इस मामले में नोटिस जारी किया गया था। इस दौरान बिना पंजीयन संचालित क्लीनिक बंद नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस दौरान यह बात सामने आई थी कि डॉ. खान द्वारा कार्डियोलॉजिस्ट क्लीनिक बंद कर चुके हैं। उनके द्वारा सिर्फ जनरल मेडिसिन के मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

11 विषयों के लिए 3 महीनों तक दस्तावेज सत्यापन, प्राध्यापक भर्ती नए सत्र के बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्राध्यापकों के दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया में पहले ही किरकिरी करा चुका पीएससी दोबारा दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ कर रहा है। इस बार दस्तावेज सत्यापन के लिए सभी कैंडिडेट्स को पर्याप्त समय दिया जाएगा ताकि पूर्व की तरह स्थिति निर्मित ना हो और सभी प्रक्रियाएं बगैर किसी विवाद के सुचारू रूप से संचालित हो सके। इसके लिए पीएससी द्वारा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक, पीएससी प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए 2 जून से 25 अगस्त तक दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। अर्थात लगभग तीन माह तक पीएससी दस्तावेजों की जांच करेगा।

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राध्यापकों के 371 पदों पर भर्ती होनी है। इसके लिए पीएससी द्वारा पूर्व में ही आवेदन मंगाए जा चुके हैं। राज्य लोक सेवा आयोग के मुताबिक, इन पदों के लिए 902 आवेदन आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन सभी अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन ⏭शेष पेज 13 पर

- उच्च शिक्षा विभाग के अधीन प्राध्यापकों के 371 पदों पर होनी है भर्ती
- आवेदन के आधार पर 902 अभ्यर्थियों का होगा दस्तावेज सत्यापन

पूर्व में हुआ था हंगामा

पीएससी द्वारा प्राध्यापक भर्ती की प्रक्रिया वर्ष के शुरुआत से ही चल रही है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञापित कुछ विषयों के लिए दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकी है, जबकि शेष विषयों की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरु होगी। पूर्व में जब पीएससी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई थी, उस वक्त उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विशेषज्ञों की टीम नहीं भेजी गई थी। इसके चलते प्रथम दिवस एक भी कैंडिडेट के दस्तावेज का परीक्षण नहीं हो सका था। हंगामे और व्यवस्था को लेकर रोष प्रकट करने के बाद दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया को स्थगित किया गया था।

हिंदी, भूगोल सहित भौतिक शास्त्र

जिन 11 विषयों में प्राध्यापक भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को बुलाया जा रहा है, उनमें वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, हिंदी, रसायन शास्त्र, प्राणीशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, भूगर्भशास्त्र एवं मनोविज्ञान शामिल है। ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा जिन शैक्षणिक अहर्ताओं का दावा पेश किया गया था, उससे संबंधित दस्तावेज लेकर सत्यापन की प्रक्रिया में पहुंचना होगा। इससे जुड़े दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

जल संसाधन विभाग में उप अभियंताओं की भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑनलाइन आवेदन 20 जून तक, परीक्षा 20 जुलाई को

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जल संसाधन विभाग के अंतर्गत उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। इन पदों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 20 जून 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है। इन पदों के लिए अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन के समय परीक्षा शुल्क का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया जाना है। छत्तीसगढ़ राज्य के पात्र स्थानीय निवासी को नियमानुसार परीक्षा में उपस्थिति होने पर परीक्षा शुल्क वापस किया जाएगा। अभ्यर्थी को परीक्षा शुल्क की वापसी केवल उसी बैंक खाते में की जाएगी, जिससे शुल्क का भुगतान किया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए उम्मीदवार व्यापम की वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

महापौर ने किया पानी टंकी का लोकार्पण

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने आम्रपाली सहकारी गृह निर्माण सोसायटी में संस्था के सदस्यों के साथ नवनिर्मित पानी टंकी का लोकार्पण किया। संस्था के सदस्यों द्वारा 40 हजार लीटर क्षमता वाली पानी टंकी का निर्माण किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आईएन सिंह ने की। इस मौके विशेष अतिथि एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल, एनआरके चंद्रवंशी और जोन-10 अध्यक्ष सचिन मेघानी उपस्थित रहे। आम्रपाली सोसायटी में चार दशक पूर्व बनी पुरानी पानी टंकी की जर्जर अवस्था के संभावित खतरे को ध्यान में रखकर तथा पेयजल की सुगम व्यवस्था बनाए रखने के लिए नई पानी टंकी का निर्माण किया गया है। अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि सदस्यों के सामूहिक प्रयास से हमने विकास कार्यों के संकल्प को पूरा किया है।

जब्बार नाला सफाई अभियान का किया निरीक्षण

रायपुर। निगम आयुक्त विश्वदीप ने रानी लक्ष्मीबाई वार्ड क्षेत्र में स्थित जब्बार नाला की बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने वार्ड पार्षद देवदत्त द्विवेदी से चर्चा की। आयुक्त ने जोन कमिश्नर संतोष पांडे को जब्बार नाला क्षेत्र में संकरी पुलिया को आवश्यकता के अनुरूप चौड़ा करने और गंदे पानी की निकासी कराने के निर्देश दिए। साथ ही जोन से प्रस्ताव तैयार कर भेजने के लिए कहा।

देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी पर व्याख्यान

रायपुर। देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के परिप्रेक्ष्य में जोन-1 के खमतराई स्थित कार्यालय के समीप व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान रहवासियों ने देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन प्रसंगों पर आधारित पहलुओं की जानकारी दी। जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी और कार्यपालन अभियंता डीके पैकरा, गजाराम कंवर के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम रखा गया।

शनिदेव मंदिर की दूसरी वर्षगांठ पर पूजा आज

रायपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 अमलीडीह में स्थित अपना गार्डन शनिदेव मंदिर परिसर में 27 मई को शनिदेव स्थापना की दूसरी वर्षगांठ पर पूजा-अर्चना का कार्यक्रम रखा गया है। यह कार्यक्रम अमलीडीह मोहल्लावासियों द्वारा किया जा रहा है। यह जानकारी कार्यक्रम छत्तीसगढ़ न्यूज एजेंसी के संचालक धनुष साहू ने देते हुए बताया कि सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक पूजा-अर्चना की जाएगी साथ ही महाभोग प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

राज्यभर के पटवारी उतरे खेतों में, हर दिन पांच बटांकन करने का आदेश

रजिस्ट्री में सुधार के बाद रकबा अपडेट करने जिला प्रशासन का फरमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

नक्शा बटांकन के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें पटवारियों को प्रतिदिन कम से कम 5 प्रकरणों का निराकरण करना है। सभी राजस्व अधिकारियों को इसे लक्ष्य मानकर तेजी से निराकरण करने कहा है। जिला कलेक्टरों के आदेश के बाद पटवारी खेतों में उतरकर तेजी से कार्य करने में लगे हैं। अब लक्ष्य को लेकर पटवारी अवकाश के दिनों में भी अपने कार्यालय में कार्यों का निपटारा करते देखे गए हैं। रजिस्ट्री के साथ नामांतरण तत्काल करने के प्रावधान के बाद यह आदेश जारी किया गया है। रजिस्ट्री में आने वाली दिक्कतों को दूर करने पहले हर पटवारी हल्के में रकबे का बटांकन जरूरी है। तभी आवेदन आने पर नामांतरण जल्द हो पाएगा। प्रदेश में कई पटवारी हल्के ऐसे हैं, जिनके रकबे का बटांकन वर्षों से नहीं होने के कारण विवाद बढ़ता जा रहा है। विवादित प्रकरणों को छोड़कर अन्य प्रकरणों में नक्शा और बटांकन अपडेट करने के निर्देश हैं। बढ़ते लंबित राजस्व प्रकरणों के कारण जिलों में बड़ी संख्या में प्रकरण वर्षों से पड़े हैं।

रजिस्ट्री कराने बटांकन जरूरी

जमीन रजिस्ट्री को लेकर नक्शे का बटांकन करने का आदेश जारी कर दिया गया है। पहले जमीन खरीदने के लिए सिर्फ चौहद्दी (उक्त जमीन के चारों तरफ जिनकी जमीन उसकी रिपोर्ट) बना ली जाती थी। इसके आधार पर सीधे जमीन की रजिस्ट्री कर दी जाती थी। इसमें कई बार विवाद की स्थिति आने के कारण इसके नियमों में बदलाव कर दिया गया। अब जमीन की चौहद्दी के साथ नक्शे का बटांकन भी करना होगा। तभी इसकी रजिस्ट्री हो पाएगी।

जमीन की पहचान में मदद

नक्शा बटांकन कराने से लोगों को कई लाभ मिलते हैं। यह भूमि संबंधी विवादों को कम करने, बैंक लोन और रजिस्ट्री जैसे कार्यों को सरल बनाने और जमीन के टुकड़ों की सटीक पहचान में मदद करता है। नए आदेश से तहसीलदारों और पटवारियों की समस्या बढ़ गई है, क्योंकि बटांकन करने में उन्हें काफी दिक्कत होगी।

इन मामलों में तेजी लाने के निर्देश

विवादित एवं अविवादित नामांतरण, विवादित एवं अविवादित बंटवारा, नक्शा बटांकन, व्यपवर्तन, अभिलेख शुद्धता, आरबीसी 6-4, स्वामित्व योजना, आधार प्रविष्टि, भू-अर्जन, वसूली आदि प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करते हुए नक्शा बटांकन के कार्य में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने निर्देश दिए। साथ ही न्यायालयवार ई-कोर्ट की प्रगति, डायवर्सन, आधार सीडिंग, भू-अर्जन के प्रकरणों, मुख्यमंत्री जनशिकायत और कलेक्टर जनदर्शन के आवेदनों पर भी कार्यवाही के निर्देश जारी किए गए हैं।

डिमांड कम होने से उत्पादन भी 30 फीसदी घटाया

5 साल बाद सरिया 52 से 53 हजार रुपए टन, तीन साल पहले 80 हजार थे दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मानसून में डिमांड और कम होने की संभावना

हरिभूमि सरोकार

मानसून आने से पहले ही प्रदेश में सरिया के दाम निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। पांच साल बाद इस समय सरिया के दाम 52 से 53 हजार रुपए टन हैं। इसके पहले 2019 में इतने दाम थे। तीन साल पहले तो इतिहास में पहली बार सरिया के दाम 80 रुपए टन तक गए थे, फिर इसके बाद दाम कम हुए, लेकिन इतने ज्यादा कम नहीं हुए। ज्यादातर समय सरिया के दाम 60 हजार के आसपास ही रहे हैं, पर अब दाम कम हो गए हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि अन्य राज्यों से डिमांड कम आ रही है। इसकी वजह से प्रदेश के उत्पादकों ने 30 फीसदी तक उत्पादन कम कर दिया है। आने वाले समय में उत्पादन और कम हो जाएगा, क्योंकि मानसून के कारण डिमांड में और गिरावट आएगी।

प्रदेश में इस समय सरिया की बेसिक कीमत 38 हजार रुपए है। इसमें पांच से छह हजार रुपए एमएम के हिसाब से अंतर के जुड़े हैं। ऐसे में 10 और 25 एमएम के सरिया के दाम 44 हजार रुपए हैं। इसमें 18 फीसदी जीएसटी के करीब दो हजार लगते हैं, यानी दाम 52 हजार रुपए टन हुए। इसी तरह से 8 से 32 एमएम के दाम 45 हजार रुपए हैं। इसमें जीएसटी के आठ हजार को मिलाकर दाम 53 हजार रुपए है।

रोज 20 हजार टन का उत्पादन

प्रदेश में स्पंज आयरन और सरिया का करीब 20 हजार टन का उत्पादन होता है। सरिया का उत्पादन पूरी तरह से स्पंज आयरन पर निर्भर है। राजधानी रायपुर में ही रोज 12 से 13 हजार टन सरिया का उत्पादन होता है। पूरे प्रदेश में यह उत्पादन 20 हजार टन के आसपास होता है। इस समय डिमांड कम होने के कारण स्पंज आयरन के साथ सरिया का उत्पादन भी 30 फीसदी तक कम हो गया है, यानी इस समय रोज 14 हजार टन के आसपास ही सरिया बन रहा है। प्रदेश में बनने वाले सरिया की डिमांड दूसरे राज्यों में ज्यादा रहती है। दूसरे राज्यों में छत्तीसगढ़ से उत्पादन का 70 फीसदी सरिया जाता है। 30 फीसदी की खपत ही अपने राज्य में होती है।

80 हजार के पार गए थे दाम

सरिया के दाम इतिहास में पहली बार तीन साल पहले 2022 में 80 हजार के पार गए थे। 2021 से दाम बढ़ने का क्रम प्रारंभ हुआ था, जो 2022 मार्च में 80 हजार के पार तक गया था। इसके बाद दाम कम होने प्रारंभ हुए और एक साल बाद दाम 55 हजार के करीब पहुंचे, लेकिन फिर से दाम बढ़ने लगे। 2023 और 2024 में भी दाम 55 हजार से कम नहीं हुए, लेकिन अब दाम 55 हजार से कम होकर 53 हजार पर आ गए हैं।

डिमांड न होने से दाम कम

इस समय सरिया की डिमांड अपने प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों से भी कम होने के कारण जहां उत्पादन 30 फीसदी तक कम हो गया है, वहीं दाम भी कम हो गए हैं।

- मनोज अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ रोलिंग मिल एसोसिएशन

जातिगत जनगणना को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही केंद्र सरकार

कांग्रेस के ओबीसी नेताओं की दिल्ली में बैठक के दौरान बोले भूपेश

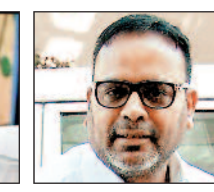

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, जब से राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की बात की है, तब से देशभर में इसे लेकर माहौल बना हुआ है। इससे आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा बदलाव संभव है। प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार ने इसी विषय को ध्यान में रखते हुए जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया, यह कैबिनेट का निर्णय है। हालांकि यह प्रक्रिया समय और संसाधन मांगती है और फिलहाल भारत सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने बताया कि इन्हीं मुद्दों को लेकर दिल्ली में छत्तीसगढ़ के सभी ओबीसी नेता एकजुट हो रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंत्रिमंडल विस्तार में विलंब और सीमित मंत्रियों की संख्या को लेकर सवाल उठाते हुए कहा, जितने कम मंत्री होंगे, उनके सारे विभाग मुख्यमंत्री के पास चले जाएंगे। अब यह जानने की आवश्यकता है कि मुख्यमंत्री के पास जो विभाग हैं, उन्हें आखिर चला कौन रहा है? चाहे वह माइनिंग हो या शिक्षा, सभी विभाग मुख्यमंत्री के पास हैं तो फिर उनका संचालन कौन कर रहा है?

चंद्राकर का पलटवार

जातिगत जनगणना पर उलझी हुई है कांग्रेस

मंत्रिमंडल विस्तार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा, छत्तीसगढ़ की चिंता करने के बजाय भूपेश बघेल को आर्थिक प्रबंधन के लिए हिमाचल प्रदेश भेज देना चाहिए। कैसे कर्जा लिया जाता है, वहां जाकर बताएं, क्योंकि हिमाचल प्रदेश में कई बार तनख्वाह नहीं मिल पाती। यह हालत कांग्रेस सरकार की है। छत्तीसगढ़ की चिंता के लिए हम पर्याप्त हैं। मामले पर पूर्व मंत्री चंद्राकर ने कहा, जातिगत जनगणना करने का सरकार निर्णय लिया है, इसमें कांग्रेस का रुख उलझा हुआ है। सत्ता में रहने पर कांग्रेस ने क्यों नहीं जातिगत जनगणना कराई। कुछ भी बैठक लें, कहीं भी बैठक लें, विश्वसनीयता क्या होगी।

सीएम साय समेत अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दिवंगत रामजीलाल अग्रवाल को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय रामजी वाटिका स्थित सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निवास पर पहुंचे और स्व. रामजीलाल अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकसंतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके अलावा सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, राजेश मूणत, गजेंद्र यादव, राजेश अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, धमतरी महापौर रामू रोहरा, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक नारायण चंदेल, शिवरतन शर्मा, विधान मिश्रा समेत गणमान्यजनों ने भी स्व. रामजीलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री एवं सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, मेरे पिताजी केवल मेरे मार्गदर्शक नहीं थे, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत थे। उनका संपूर्ण जीवन सेवा, सादगी और संस्कारों का प्रतीक रहा है।

एबीवीपी की बैठक में अब 'जीरो फूड वेस्ट' नीति, भोजन बचा तो बस्तियों में बांटेंगे छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक 29 से 31 मई इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम सभागार में आयोजित की जा रही है। इससे पूर्व 28 मई को विद्यार्थी परिषद की बैठक सहित कई गतिविधियां रखी गई हैं, जिसमें 250 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस तीन दिवसीय बैठक में देश के सभी राज्यों से आए 478 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। एबीवीपी के अनुसार, बैठक में शिक्षा, पर्यावरण, आंतरिक सुरक्षा, वैश्विक भारत के संबंध, और समसामयिक विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में विद्यार्थी परिषद की आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तय करना और राष्ट्रीय छात्र-युवा नीति में ठोस हस्तक्षेप की दिशा सुनिश्चित करना है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में अभाविप उनकी जन्मस्थली उलिहातु से पीतल के पात्र में मिट्टी लेकर इस बैठक में रायपुर ला रही है। यहां से वह मिट्टी देश के सभी प्रांतों में स्मृतिस्वरूप भेजी जाएगी। इसके पूर्व आयोजन की शुरुआत 27 मई की संध्या को एक भव्य प्रदर्शनी के उद्घाटन से होगी। इसमें छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं लोक संस्कृति, भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष, ढोकरा आर्ट, मूर्ति कला और बस्तर आर्ट आदि विषयों को चित्रित किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर अभिनंदन सहित पांच प्रस्ताव

29 से 31 मई के दौरान आयोजित राष्ट्रीय बैठक में पांच प्रमुख प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इनमें भारतीय सेना के पराक्रम 'ऑपरेशन सिंदूर' व 'ऑपरेशन कगार' के लिए अभिनंदन प्रस्ताव, कोचिंग संस्थानों में अवैध व मनमानी फीस वृद्धि पर नियंत्रण के लिए ठोस नीति निर्माण, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति की मांग, आंतरिक सुरक्षा पर आधारित विमर्श, और भारत के वैश्विक संबंधों पर केंद्रित प्रस्ताव सम्मिलित हैं। इसके साथ ही मार्च महीने में द्वारिका, गुजरात में संपन्न विचार बैठक में आए सुझावों पर भी व्यापक चर्चा होगी। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने सोमवार को एक प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में टी-3 मॉडल को आधार मानते हुए रखेंगे मजबूत नींव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, नीति आयोग की बैठक में हमने विकसित छत्तीसगढ़ के लिए एक विजन डॉक्युमेंट रखा। 2047 तक छत्तीसगढ़ को 75 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनाना हमारा लक्ष्य है।

छत्तीसगढ़ में टी-3 मॉडल को आधार मानते हुए आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव रखने का काम करेंगे। दिल्ली दौरे से लौटने के बाद संवाददताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, बैठक में छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल की सबने तारीफ की है। प्रधानमंत्री से भी इस दौरान मुलाकात हुई। उन्होंने नक्सल ऑपरेशन जो छत्तीसगढ़ में हुए हैं, उसकी सफलता की बधाई दी। दूसरे दिन मुख्यमंत्री परिषद की बैठक हुई। जो नवाचार होते हैं, उसे साझा करते हैं। जो अच्छे काम होते हैं, उसे दूसरे प्रदेश में अडॉप्ट करते हैं। इस बैठक में विशेष रूप से यही होता है। बस्तर के क्षेत्र को विकास से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री परिषद में हमने बातें रखीं।

1650 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

श्री साय ने बताया कि दिल्ली प्रवास के दौरान 1650 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव मिला है, जिसमें मेदांता हॉस्पिटल के साथ ही अन्य कंपनियों के प्रस्ताव मिले हैं, इससे छत्तीसगढ़ को लाभ होगा।

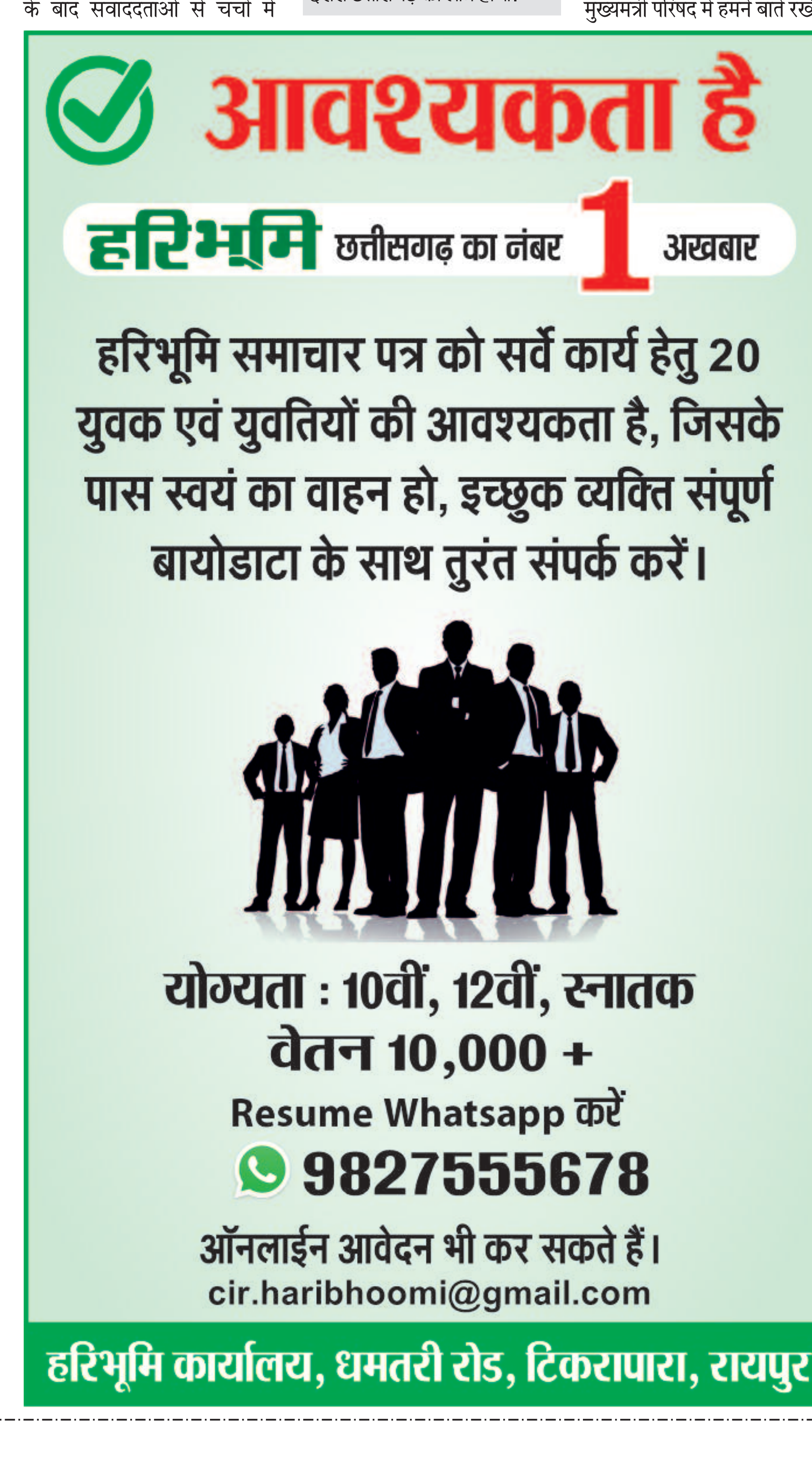

खबर संक्षेप

गांजा तस्करी में लिप्त महिला और पुत्र गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा। अवैध रूप से भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु ले जाते हुये महिला और उसका पुत्र गिरफ्तार आरोपियो के कब्जे से 02 किलो 568 ग्राम कीमत 20000/रू का गांजा जप्त किया गया। मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला सिर में लट लगा एवं उसके साथ एक लडका सफेद शर्ट नीला जींस पहना एक प्लास्टिक थैला के अंदर में अवैध रुप से मादक पदार्थ रखकर उडीसा से ट्रेन बैठकर तिल्दा नेवरा में उतर कर सासाहोली ओवर ब्रिज के नीचे से सांकरा की ओर जाने वाले है। सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई कर आरोपी महिला व उसके पुत्र को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उनके पास रखे प्लास्टिक थैला में कुल मादक पदार्थ गांजा 02 किलो 568 ग्राम को जप्त किया गया। आरोपी शंकर धृतलहरे 24 वर्ष व कुंवर बाई धृतलहरे 55 वर्ष ग्राम सांकरा निवासी के खिलाफ धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

शनि जन्मोत्सव पर विशाल भंडारा आज

आरंग। आज नगर में शनि जन्मोत्सव को श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। जिसमें श्रद्धालु शनि मंदिरो में पहुंचकर विशेष रूप से पूजा आराधना करेंगे। वहीं शनिदेव के भक्तगण प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शनि मंदिर नेताजी चौक आरंग में विशाल भंडारा का आयोजन कर रहें है। जिसमें अधिक से अधिक लोगों को भोजन प्रसादी ग्रहण करने अपील किए हैं।

पेड़ गिरने से स्कूल की दीवार ध्वस्त

तिल्दा नेवरा। बीएनबी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा का बाहर का बाउंड्री वॉल काफी आंधी तूफान के बाद एक बड़ा पेड़ गिरने के बाद धराशाई हो गया। जहां पर प्राचार्य राजेश चंदानी ने नगर पालिका के चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा सभापति रानी सौरभ जैन को अवगत करवाया व एसएमडीसी के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा एवं समिति को भी अवगत करवाया। जहां पर सोमवार को सभापति रानी सौरभ जैन की पहल पर नगर पालिका से इंजीनियर पुष्कर चंद्राकर को बुलाया गया। पटवारी के साथ आए वन विभाग का एक कर्मी भी पहुंचा और वे तत्काल सर्वे कार्य किए।

राहत : अंचल की जनता में दौड़ी खुशी की लहर

पांच माह बाद धरसींवा में फिर दौड़ी 108 संजीवनी, मरीजों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

हरिभूमि द्वारा धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर लगातार प्रकाशित की जा रही खबरों का आखिरकार बड़ा असर हुआ है। हमारी पड़ताल और प्रमुखता से उठाए गए मुद्दे के बाद, सरकार ने मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए 26 मई से धरसींवा में पांच माह से ठप पड़ी 108 संजीवनी एम्बुलेंस सेवा को फिर से बहाल कर दिया है। इस खबर से क्षेत्र की जनता और डॉक्टरों में खुशी की लहर दौड़ गई है, जिन्होंने 'हरिभूमि' का दिल से आभार व्यक्त किया है।

खबर का असर

हरिभूमि खबर का असर बीमार 'संजीवनी' की लंबी पीड़ा का अंत

रिडंबना : मरीज निजी वाहनों के सहारे, करना पड़ रहा है अतिरिक्त खर्च
धरसींवा में संजीवनी वेंटिलेटर पर, 5 महीने से 108 ठप, 102 में डॉक्टर नहीं, जनता बेहाल

पिछले पांच महीनों से धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की 108 संजीवनी एम्बुलेंस सेवा पूरी तरह से ठप पड़ी थी, जिससे पूरे धरसींवा ब्लॉक के हजारों लोग, खासकर रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से होने वाले घायलों के लिए गंभीर संकट था। आपात स्थिति में घायल और गंभीर मरीजों को निजी वाहनों के भरोसे छोड़ना पड़ रहा था। क्योंकि क्षेत्र की सरकारी एम्बुलेंस का कोई अता-पता नहीं था। 'हरिभूमि' ने अपनी रिपोर्ट में इस गंभीर मानवीय संकट को उजागर किया था, जिसमें बताया गया था कि कैसे अस्पताल की 'संजीवनी' खुद बीमार पड़ी है और इसकी वजह से कैसे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है।

स्वास्थ्य विभाग और 108 कम्पनी पर बढ़ा दबाव, त्वरित कार्रवाई का नतीजा

हमारी खबरों में सिर्फ 108 एम्बुलेंस की समस्या ही नहीं, बल्कि 102 महतारी एम्बुलेंस में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और ड्राइवर के भरोसे मरीजों की जिंदगी छोड़ने जैसे चौंकाने वाले तथ्यों को भी प्रमुखता से सामने लाया गया था। हरिभूमि ने यह भी सवाल उठाया था कि राजधानी रायपुर से महज 18 किलोमीटर दूर स्थित एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ऐसी बदहाली क्या दर्शाती है। इन लगातार और विस्तृत रिपोर्टों ने सरकार और संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों पर भारी दबाव बनाया। नतीजा यह हुआ कि जनता की पुकार सुनी गई और सरकार ने त्वरित कार्रवाई का निर्णय लिया।

जनता ने जताया 'हरिभूमि' का आभार

धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों और स्थानीय जनता ने 'हरिभूमि' के इस प्रयास की सराहना की है। उनका कहना है कि लंबे समय से यह समस्या थी, लेकिन उनकी बात कोई सुनने को तैयार नहीं था। 'हरिभूमि' ने न केवल समस्याओं को उठाया, बल्कि उसे सरकार तक पहुंचाया और समाधान होने तक लगातार खबर प्रकासित किया। एक स्थानीय निवासी ने कहा यह 'हरिभूमि' की प्रकाशन का नतीजा है कि हमें हमारी संजीवनी वापस मिल पाई है। हम उनका दिल से धन्यवाद करते हैं। हालांकि, 102 महतारी एम्बुलेंस में डॉक्टरों की कमी का मुद्दा अभी भी बना हुआ है, और जनता उम्मीद कर रही है कि सरकार इस दिशा में भी जल्द से जल्द कदम उठाएगी। 'हरिभूमि' जनता की आवाज बनकर इन मुद्दों को उठाती रहेगी, जब तक कि धरसींवा के लोगों को बेहतर और पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल जातीं।

सुहागिनों ने की वट सावित्री व्रत पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर सोमवार को शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों की विवाहित महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ व्रत रखकर वटवृक्ष (बरगद के पेड़) की पूजा-अर्चना कर पति की लंबी उम्र तथा सुखद दांपत्य जीवन की कामना कि गई। इस अवसर सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक परिधान लाल, पीली या गुलाबी साड़ी, मांग में सिंदूर, हाथों में चूड़ियाँ एवं मेंहदी लगाए पूजा की तैयारियों में जुट गई थीं। महिलाओं ने समूहों में मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर स्थित वटवृक्षों के पास एकत्र होकर कथा श्रवण किया और सावित्री-सत्यवान की पौराणिक गाथा का स्मरण किया। पलौद (नया रायपुर) में व्रती महिलाओं ने वटवृक्ष की जड़ में जल अर्पित किया। धागा (कच्चा सूत) लपेटते हुए परिक्रमा की। पूजन में फल, मिठाई, कुमकुम, अक्षत, धूप-दीप आदि का उपयोग किया। सावित्री-सत्यवान की प्रतिमा या चित्र का पूजन कर कथा का श्रवण किया। इस सम्बंध में पुरोहित कमल कृष्ण प्रिया ने कहा कि यह व्रत न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। व्रत के माध्यम से महिलाएं अपनी संस्कृति से जुड़ी रहती हैं और अगली पीढ़ियों को भी इसका ज्ञान प्रदान करती हैं। पुरोहित कमल कृष्ण प्रिया ने आगे कहा कि वट सावित्री व्रत एक बार फिर श्रद्धा, समर्पण और सांस्कृतिक एकता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। विवाहित महिलाओं ने पूरे और निष्ठा के साथ इस व्रत को मनाया, जिससे धार्मिक वातावरण की गरिमा और भी बढ़ गई।

स्टील प्लांट के पास अवैध पार्किंग से यातायात बाधित, लोगों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

सिलयारी स्थानीय निवासियों ने कुथरेल में स्थित संभावित स्टील प्लांट के आसपास अवैध पार्किंग की समस्या को लेकर चिंता जताई है। क्षेत्र में चलने वाली गाड़ियों की बढ़ती संख्या ने सड़क पर अव्यवस्था पैदा कर दी है, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टील प्लांट में काम करने वाले कर्मचारियों और डिलीवरी वाहनों द्वारा सड़क पर अवैध रूप से पार्किंग करने से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। यह न केवल सड़क की चौड़ाई को कम कर रहा है, बल्कि आपातकालीन वाहनों के लिए भी रास्ता अवरुद्ध कर रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि वे इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द करें ताकि सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चल सके और स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। समाज सेवी संगठनों ने भी इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा है कि अवैध पार्किंग को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए जिससे क्षेत्र की सुरक्षा बनी रहे।

आरंग बस स्टैंड स्थानांतरण का कांग्रेसियों ने किया विरोध व सांसद को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग में आयोजित समाधान शिविर में कांग्रेस ने युवा कांग्रेस ग्रामीण के जिलाध्यक्ष सजल चंद्राकर के नेतृत्व में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आरंग बस स्टैंड को यथावत रखने और क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने के ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान कांग्रेस पार्षद उपस्थित रहे। कांग्रेस द्वारा रायपुर सांसद को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि आरंग नगर पालिका परिषद द्वारा 30 अप्रैल को आयोजित परिषद बैठक में बस स्टैंड आरंग को स्थानांतरित करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है जिसका विपक्षी पार्टी के द्वारा विरोध कर लिखित में आपत्ति दर्ज कराया गया है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सजल चंद्राकर ने बताया कि आरंग की जनता से बिना सहमति लिए बस स्टैंड को स्थानांतरित करना गलत है, इससे नगर का विकास और व्यवसाय प्रभावित होगा। बस स्टैंड को आरंग को स्थानांतरण करने पर आम लोगो को काफी असुविधा होगी तथा आरंग नगर का संपूर्ण व्यवसाय प्रभावित होने के साथ-साथ बस स्टैंड आरंग में व्यवसाय कर रहे छोटे-छोटे व्यवसायियों के समक्ष जीवन यापन की समस्या उत्पन्न हो जायेगा। सजल चंद्राकर ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इससे पहले पूर्व परिषद के द्वारा बस स्टैंड आरंग के निर्माण हेतु लगभग 50 लाख रूपये का भुगतान हो चुका है और निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका था। जिस स्थान पर बस स्टैंड आरंग को स्थानांतरित किया गया है वह चारागाह के लिये आरक्षित है जिससे कि बैहार मे चारागाह की समस्या उत्पन्न हो जायेगा।

जिस स्थान पर बस स्टेण्ड को स्थानांतरित किया जा रहा है वह राष्ट्रीय राजमार्ग-53 के विपरीत दिशा मे है तथा उस मार्ग मे हमेशा भारी वाहनो का आवाजाही अत्यधिक होता है तथा विपरीत दिशा में बस स्टेण्ड होने से गंभीर दुर्घटना अत्यधिक होने की संभावना बनी हुई है और जान-माल की हानि होने के संभावना है। बस स्टैंड को आरंग से बैहार स्थानांतरित किये जाने से आमजनो एवं आरंग का व्यवसाय पूर्ण रूप से प्रभावित होगा।

पेज 11 के शेष...

अप्रैल में तेवर...

के तीसरे सप्ताह में गर्मी चरम पर थी और पारा 45 डिग्री तक पहुंचा तथा तीन से चार दिनों तक ग्रीष्म लहर की स्थिति बनी रही। इसके विपरीत राज्य में उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म और शुष्क हवा का प्रभाव मई में नहीं जम पाया, क्योंकि बनने वाला ज्यादातर पश्चिम विक्षोभ प्रदेश के मौसम को प्रभावित करता रहा।

इसकी वजह बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी की उपस्थिति बनी रही। अभी कई तरह के सिस्टम होने की वजह से बादल छाए हुए हैं और तापमान 35 डिग्री तक भी नहीं पहुंच पाया है। नवतपा के दो दिन बीत चुके हैं और अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक कम रिकार्ड किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर मई के महीने में गर्मी अपना प्रबल असर दिखाती है, मगर इस बार मौसमी बदलाव की वजह से ऐसा नहीं हो पाया।

बीबीए सीएसवीटीयू के...

सकी है। ऐसे में पं.रविशंकर शुक्ल विवि सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम नए शैक्षणिक सत्र में भी पूर्व की तरह संचालित होता।

11 विषयों के लिए...

की प्रक्रिया में शामिल होने बुलाया गया है। योग्यता के आधार पर अभ्यर्थियों को प्वाइंट दिए जाएंगे, जो उनकी नियुक्ति का आधार बनेंगे। चूंकि प्रक्रिया अगस्त अंत तक चलेगी, ऐसे में 16 जून से प्रारंभ हो रहे नए शैक्षणिक सत्र के पूर्व प्राध्यापक भर्ती असंभव है। इस बार भी सत्र प्रारंभ होने के 2-3 माह पश्चात ही प्राध्यापक मिलेंगे।

बगैर अनुमति दिल के...

अस्पताल अथवा क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है। पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस नियम के पालन के लिए गंभीरता दिखाने तमाम अस्पतालों को निर्देश भी जारी किए गए थे। इसके बाद भी कई अस्पताल इस नियम की अवहेलना कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, एम्स के समीप लक्ष्मी मेडिकल हॉल के दूसरे फ्लोर पर ऐसी ही क्लीनिक का संचालन किया जा रहा था। प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच के दौरान छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल ने पाया था कि संबंधित क्लीनिक का नर्सिंग होम एक्ट और सीजीएमसी के पास पंजीयन नहीं है।

छग आयुर्विज्ञान परिषद ने इस आधार पर जिला प्रशासन ने क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुशंसा की थी। इस आधार पर जिला प्रशासन की ओर से स्वयं को कार्डियोलॉजिस्ट बताकर इलाज करने वाले डॉ. वसी खान पर 20 हजार जुर्माना लगाया गया है।

150 संदिग्ध मिले, बैंक...

अकाउंट में आई थी, उक्त रकम हरमीत खनूजा के अकाउंट में ट्रांसफर होने की जानकारी एसीबी-ईओडब्ल्यू के अफसरों को मिली है।

स्पंज फैक्ट्री से बढ़ता प्रदूषण ग्रामीणों का स्वास्थ्य खतरे में

सिलयारी। औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा स्थित अग्रवाल स्पंज उद्योग द्वारा उत्पन्न प्रदूषण ने स्थानीय ग्रामीणों की जीवनशैली को प्रभावित कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि उद्योग से निकलने वाले धुएं और रासायनिक अवशेषों के कारण उनकी स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं और पर्यावरण पर भी बुरा असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि उद्योग के निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु और जल प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो गई है। कई ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, आसपास की जल स्त्रोतों में प्रदूषण के कारण कृषि उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई, तो वे विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। स्थानीय पर्यावरण संगठनों ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है और उद्योग के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि उद्योग को पर्यावरण मानदंडों का पालन करना चाहिए और ग्रामीणों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। अग्रवाल स्पंज प्रबंधन ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हैं और आवश्यक कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम आदमी को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण - श्रीमती पांचाली मुखर्जी पति स्व. श्री रजतभूषण मुखर्जी, श्री देवेश मुखर्जी व श्री भास्कर मुखर्जी, दोनों के पिता स्व.श्री रजतभूषण मुखर्जी, सभी के निवासीय पता मकान नं. सी-18, न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी, खम्हारडीह, शंकर नगर, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. के हक, अधिपत्य व स्वामित्व की आवासीय परिवर्तित संपत्ति जो कि वाके मौजा ग्राम-शंकरनगर, प.ह.न. 00063, रा.नि.मं.: रायपुर-8-शंकरनगर, तहसील व जिला-रायपुर, छ.ग. नगर पालिक निगम रायपुर वार्ड क्रमांक 28, महर्षि वाल्मिकी वार्ड, (नया वार्ड नं.32) में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 722/3 का भाग, जिसका रकबा 0.0110 हेक्टेयर अर्थात 1200 वर्गफीट (111.5241 वर्गमीटर) भूमि, जिसके भूतल पर 618 वर्गफीट में आरसीसी छतयुक्त मकान निर्मित जो कि मुख्य मार्ग से अन्दर की ओर स्थित संपत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना की राशि प्रदान कर करार नामा निष्पादन किया जा चुका है, व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध मे कोई भी व्यक्ति, कोई परिवारिक सदस्य, किसी संस्था (शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय निकाय) फर्म, समूह, कंपनी, ट्रस्ट या अन्य किसी को विक्रय करने के संबंध मे कोई दावा आपत्ति हो तो 05 दिनों के अंदर मय दस्तावेज़ सहित मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पक्ष में विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करा लिया जावेगा। जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

दिनांक 26/05/2025

नीलेश कुमार देवांगन,
अधिवक्ता एन.के. देवांगन एण्ड कं.
पंचपथ पारा चौक, भोई पारा के पास,
वार्ड ब्राम्हण पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. 9300302418

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धरमपुरा रायपुर में ई.डब्ल्यू.एस. प्रकोष्ठ भवन क्रमांक ब्लॉक नं.-40/2 भू तल, को श्री सुशील कुमार यादव पिता स्व. श्री रामचरण यादव, के नाम नामांतरण (विक्रय विलेख उपरांत) किया गया है।

श्री सुशील कुमार यादव पिता स्व. श्री रामचरण यादव, की मृत्यु दिनांक 17.12.2024 को हो गया है। पत्नि श्रीमति मीरा यादव पति स्व. श्री सुशील कुमार यादव, पता - म.न.- 02, ब्लॉक नं.-21 सी.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी धरमपुरा जिला- रायपुर (छ.ग.) ने अपने पति की मृत्यु होने के उपरांत उक्त प्रकोष्ठ भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त प्रकोष्ठ भवन को श्रीमति मीरा यादव पति स्व. श्री सुशील कुमार यादव, के नाम पर नामांतरण करने पर किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र
नवा रायपुर अटल सुपर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सेरीखेड़ी-18, तहसील व जिला रायपुर
आम सूचना

जारी दिनांक 26.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदिका श्रीमती उषा सिंह पति अजय सिंह निवासी माना कैम्प द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 81/18 रकबा 0.0093 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./वाचक/ अति.तहसीलदार/ वर्ष 2025 आदेश दिनांक .../.../2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक 19.05.2025 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएवं उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रा.नि.मं. रायपुर-20
तहसील रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सेरीखेड़ी-18, तहसील व जिला रायपुर
आम सूचना

जारी दिनांक 26.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदिका श्रीमती माधुरी सिंह पति सुरजीत सिंह निवासी माना कैम्प द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 81/17 रकबा 0.0121 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./वाचक/ अति.तहसीलदार/ वर्ष 2025 आदेश दिनांक .../.../2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक 19.05.2025 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएवं उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रा.नि.मं. रायपुर-20
तहसील रायपुर

आम - सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार राजेश कुमार चौधरी पिता श्री खिराज राम चौधरी, निवासी- बी-29/1, सेक्टर-3, अग्रसेन भवन के पास, उदया सोसायटी, टाटीबंध, रायपुर, तह. व जिला - रायपुर छ.ग. ने विक्रेता श्री अविनाश कुमार साहू पिता स्व. श्री जमुना प्रसाद साहू, निवासी- 72, ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची जिला-रांची, झारखण्ड द्वारा आम मुख्त्यार श्री वंश शर्मा पिता स्व. श्री मनीष शर्मा, निवासी–अवंति गार्डन, दलदल सिवनी, रायपुर, तह. व जिला - रायपुर (छ.ग.) के आधिपत्य व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि जो वाके मौजा- टाटीबंध (उदया सोसायटी) प.ह.नं. 103, रा.नि.मं. रायपुर, तह. व जिला - रायपुर छ.ग. में स्थित भूखण्ड क्रमांक ए-15, प्लाट नं. 3, खसरा नंबर 214/119 रकबा 50x80 = 4000 वर्गफुट भूमि को क्रय किए जाने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन किया है तथा बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय को उपरोक्त सौदे पर किसी भी तरह की हक, उजर, दावा, आपत्ति हो वह इस आमसूचना प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि समाप्ति उपरांत कोई भी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा विधि अनुसार शून्य करणीय मानी जावेगी।

अतः सूचना जाने।

दिनांक 26/05/2025

भवदीय
पुष्कर साहू (अधिवक्ता)
एस - 2डी / 52, सेक्टर-3, स्ट्रीट नं. 3, प्रोफेसर कॉलोनी, रायपुर तह. व जिला - रायपुर (छ.ग.)
मो. 99261-69448

खबर संक्षेप

डीडीनगर कॉलोनी के मकान फ्री होल्ड करने की मांग

रायपुर। डीडीनगर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अंतर्गत बनाए गए मकान फ्री होल्ड करने की मांग को लेकर यहां के संरक्षक राधेश्याम गोयल ने सुशासन तिहार जोन 5 के दफ्तर में ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर श्री गोयल ने बताया कि डीडीनगर हाउसिंग बोर्ड द्वारा यहां के नागरिकों को मकान 25 साल की लीज पर आवंटित किए गए थे और उनकी लीज की तिथि 3 साल में खत्म होने वाली है, इस संबंध में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड में कॉलोनीवासियों ने आवेदन दिया था, लेकिन अधिकारी द्वारा यह कहा गया है कि आपकी जमीन के रिकॉर्ड के संबंध में एसडीएम ऑफिस में आवेदन लगाया गया था, परंतु वहां कहा गया कि आपका कार्य पटवारी ऑफिस में होगा, पटवारी ऑफिस में हाउसिंग बोर्ड के नाम में दर्ज करने के संबंध में काफी समय से यहां पर आवेदन किया गया है, परंतु डीडीनगर क्षेत्र के पटवारी हाउसिंग बोर्ड के नाम में प्रकरण दर्ज नहीं करने के कारण यहां के निवासियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने डीडीनगर क्षेत्र के पटवारी ऑफिस में लगाए गए आवेदन का तुरंत निराकरण कर अपने रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज किए जाने की मांग की है, ताकि डीडीनगर कॉलोनी के मकान फ्री होल्ड हो सकें।

दोषियों को पकड़कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष माखन ताम्रकार ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी की गौरेला-पेंड्रा में स्थापित मूर्ति को तोड़कर खंडित कर दिया गया, जिसकी हम घोर निंदा करते हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषियों को पकड़कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

निधन

गोदावरी अग्रवाल

रायपुर। भागवत कुंज गायत्री नगर अवंति विहार निवासी गोदावरी अग्रवाल का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 मई को प्रातः 10 बजे उनके निवास स्थान से निकलकर देवेंद्र नगर मुक्तिधाम जाएगी। वे सन्निर्माण कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल की माता थीं।

चैंबर की कार्यकारिणी का विस्तार, बनाए गए चेयरमैन, वाइस चेयरमैन पद पर मनोनयन

पहली सूची जारी, अन्य पदाधिकारियों के नामों का जल्द होगा ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ व्यापार और उद्योग की प्रगति के लिए अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है। इसमें प्रदेश के प्रमुख व्यापारियों तथा उद्योगपतियों को चैंबर में संरक्षक, चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, कार्यकारी अध्यक्ष और प्रमुख सलाहकार के पद में मनोनीत किया गया है। श्री थौरानी ने हरिभूमि को बताया कि पहली सूची जारी की गई है, इसके बाद अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा का ऐलान करने जल्द दूसरी सूची जारी होगी।

- कार्यकारी अध्यक्ष, प्रमुख सलाहकार की घोषणा

ये पदाधिकारी शामिल किए गए

चैंबर की कार्यकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, ललित जैसिंघ, विनय बजाज, विक्रम सिंहदेव, कमल सोनी, जसप्रीत सलूजा, प्रमुख सलाहकार त्रिलोकचंद बरड़िया, सरल मोदी, लाभचंद बाफना, छगन मूंदड़ा, संजय रुंगटा, अरविंद जैन, राजेंद्र शर्मा, लखमशी पटेल, किशोर आहूजा, सुशील अग्रवाल, मोहनलाल तेजवानी, अशोक मलानी, अमर गिदवानी, जयंती भाई पटेल, चंदर विधानी, विजय मुकीम, गुरजीत सिंह संधु, विनोद तलरेजा, दीपक रहेजा शामिल किए गए हैं।

चैंबर ऑफ कामर्स की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने वरिष्ठता और चैंबर में किए गए कार्य अनुभव को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठजनों को संरक्षक के रूप में अपनी टीम में जगह दी है। इसमें संरक्षक के रूप में पूर्व विधायक एवं चैंबर के वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीचंद सुंदरानी, पूरनलाल अग्रवाल, खूबचंद पारख, सरदार बलदेव सिंग भाटिया, शिवराज भंसाली, यूएन अग्रवाल, मगन भाई पटेल और चर्तुभुज अग्रवाल शामिल किए गए हैं। इसी तरह चेयरमैन गोपाल कृष्ण अग्रवाल और वाइस चेयरमैन चेतन तारवानी को मनोनीत किया गया है।

खमतराई का नीमडबरी तालाब, जहां पानी की जगह पत्थर ही पत्थर

सरोवर धरोहर को लगा ग्रहण, न सौंदर्यीकरण हुआ न गहरीकरण, प्रस्ताव फाइल में ही दफन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सरोवर धरोहर को संरक्षित करने की दुहाई देने वाला नगर निगम सीमा क्षेत्र से लगे पारंपरिक तालाबों को सहेजने के मामले में फेलुअर साबित हो रहा है। तालाब सौंदर्यीकरण और गहरीकरण का प्रस्ताव फाइल में दफन हो गया है।

खमतराई का नीमडबरी तालाब, जो पहले सालभर लबालब रहता था, वहां पानी की जगह पत्थर ही पत्थर नजर आ रहे हैं। पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड में लभांडी का नवा तालाब पूरी तरह सूख चुका है, इसके चलते लोगों को निस्तारी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। जोन के वीर सावरकर वार्ड के उड़ता हनुमान मंदिर वाला तालाब का एक बड़ा हिस्सा सूखने से वहां गंदगी और गाद की मोटी परत दूर से नजर आने लगी है। जबकि इस तालाब के साफ पानी को लोग पीने और निस्तारी के काम के लिए उपयोग करते आए हैं।

सरोवर धरोहर की दुर्दशा पर एक रिपोर्ट

केस 1

लभांडी का नवा तालाब

नगर निगम जोन-9 क्षेत्र स्थित पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड के लभांडी गांव का नवा तालाब पूरी तरह सूख गया है। एक छोर से दूसरे छोर तक पानी की एक बूंद भी नजर नहीं आ रही है, केवल जलीय खरपतवार और तालाब की तलछटी में जमा गंदगी ही दिख रही है। गांववालों का कहना है कि यह पारंपरिक व निस्तारी तालाब है, जिसकी सफाई, गहरीकरण और सौंदर्यीकरण की मांग निगम से करते आ रहे हैं। तालाब सूखने का असर आसपास के बोरवेल्स पर भी पड़ा है। सपाट तालाब को देखकर यह लगता है कि कभी इसमें भरपूर पानी रहा होगा। पार्षद रेणु-जयंत साहू का कहना है, नवा तालाब लभांडी का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण कराने 20 लाख का प्रस्ताव बनाकर जोन के माध्यम से मंजूरी के लिए भेजा गया, पर आज तक इसकी मंजूरी नहीं मिली। यही वजह है कि नवा तालाब पूरी तरह सूख गया।

केस 2

खमतराई का नीमडबरी तालाब

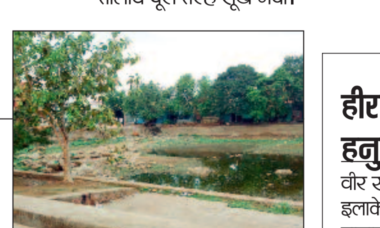

शहर के आउटर में स्थित वीर शिवाजी वार्ड में एक तालाब ऐसा है, जहां पानी नहीं पत्थरों से तालाब पटा पड़ा है। तालाब की सफाई और गहरीकरण के लिए नगर निगम मुख्यालय से लेकर जोन दफ्तर तक गुहार लगाई, पर निगम के अफसरों से रहवासियों को सिर्फ आश्वासन ही दिया। तालाब की अनदेखी के चलते पुराने सरोवर में पानी की जगह पत्थर ही दिख रहे हैं। वार्ड पार्षद गज्जू साहू का कहना है, नीमडबरी तालाब से खमतराई सहित आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों की निस्तारी होती थी। देखरेख की कमी और तालाब की सफाई तथा गहरीकरण नहीं होने से तेज गर्मी में तालाब का पानी सूख गया। इसके चलते आसपास के बोरवेल्स का जलस्तर भी नीचे चला गया है। पहले भी क्षेत्र के विधायक, तत्कालीन महापौर और निगम आयुक्त को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद भी नीमडबरी तालाब उपेक्षा का शिकार है।

केस 3

हीरापुर का उड़ता हनुमान मंदिर तालाब

वीर सावरकर वार्ड के हीरापुर इलाके में उड़ता हनुमान मंदिर तालाब 50 दशक पुराना है। गांववालों का कहना है कि बारिश के समय तालाब का पानी ओवरफ्लो होने से हर साल मुख्य सड़क पर इसका पानी बह जाता है। तालाब को संरक्षित करने सौदर्यीकरण, गहरीकरण कराने जोन-8 से प्रस्ताव बनाकर भेजा गया। प्रस्ताव को अब तक मंजूरी नहीं मिल पाई है। यही वजह है कि जिस तालाब में सालभर लबालब पानी भरा रहता था, तेज गर्मी के कारण यह तालाब एक छोर से सूख गया है। तालाब में बहुत कम पानी होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड पार्षद संदीप साहू का कहना है, तालाब गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और पचरी बनाने के लिए 30 लाख का प्रस्ताव भेजा गया है, जिसकी मंजूरी शासन स्तर पर लंबित है।

80 से ज्यादा स्पॉ सेंटर्स पर पुलिस की दबिश, बाहर से आई युवतियों के दस्तावेज-आईडी की जांच भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी की पुलिस शहर में संचालित अलग-अलग इलाकों में संचालित 80 से ज्यादा स्पॉ सेंटर की जांच करने पहुंची। स्पॉ सेंटर में आकर काम करने वाली सभी लड़कियों के आईडी कार्ड तथा दस्तावेजों की जांच की गई। इनमें संदिग्ध गतिविधि में कितनी लड़कियां शामिल हैं, पुलिस ने अब तक इसकी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी है।

- नौ राजपत्रित पुलिस अफसरों के नेतृत्व में पुलिस की टीम स्पॉ सेंटर पहुंची

स्पॉ सेंटर में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि रोकने के उद्देश्य से एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर एएसपी सिटी लखन पटले, एएसपी ग्रामीण कीर्तन राठौर, एएसपी पश्चिम डीआर पोर्ते, एएसपी आईसीयूडब्ल्यू ममता देवांगन के नेतृत्व में नौ राजपत्रित पुलिस अफसरों की टीम स्पॉ सेंटर की जांच करने निकली। पुलिस को कई स्पॉ सेंटर को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जांच की गई।

छापे की सूचना पहले से लीक

बताया जा रहा है कि छापे की सूचना पहले से लीक हो गई। इसके चलते स्पॉ सेंटर संचालक पहले से अलर्ट हो गए। छापे की सूचना लीक होने की वजह से पुलिस जिन स्पॉ सेंटर्स की जांच करने पहुंची, वहां से उन्हें कुछ भी आपत्तिजनक हासिल नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक, निचले से लेकर ऊपर स्तर के कई पुलिस अफसरों के साथ स्पॉ सेंटर के संचालकों के सबंध हैं। इस वजह से छापे की सूचना लीक हो गई।

दस्तावेजों की जांच की जा रही

एएसपी सिटी लखन पटले के मुताबिक, ज्यादातर स्पॉ सेंटर्स में पूर्वोत्तर राज्य की युवतियां काम कर रही हैं। ऐसी युवतियों के पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। पहचान पत्र में गड़बड़ी पाए जाने पर या उन युवतियों के संदिग्ध गतिविधि में लिप्त पाए जाने पर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पेज 11 के शेष ...

अप्रैल में तेवर...

के तीसरे सप्ताह में गर्मी चरम पर थी और पारा 45 डिग्री तक पहुंचा तथा तीन से चार दिनों तक ग्रीष्म लहर की स्थिति बनी रही। इसके विपरीत राज्य में उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म और शुष्क हवा का प्रभाव मई में नहीं जम पाया, क्योंकि बनने वाला ज्यादातर पश्चिम विक्षोभ प्रदेश के मौसम को प्रभावित करता रहा। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी की उपस्थिति बनी रही। अभी कई तरह के सिस्टम होने की वजह से बादल छाए हुए हैं और तापमान 35 डिग्री तक भी नहीं पहुंच पाया है। नवतपा के दो दिन बीत चुके हैं और अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक कम रिकार्ड किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर मई के महीने में गर्मी अपना प्रबल असर दिखाती है, मगर इस बार मौसमी बदलाव की वजह से ऐसा नहीं हो पाया।

बीबीए सीएसवीटीयू के...

सकी है। ऐसे में पं.रविशंकर शुक्ल विवि सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम नए शैक्षणिक सत्र में भी पूर्व की तरह संचालित होता।

11 विषयों के लिए...

की प्रक्रिया में शामिल होने बुलाया गया है। योग्यता के आधार पर अभ्यर्थियों को प्वाइंट दिए जाएंगे, जो उनकी नियुक्ति का आधार बनेंगे। चूंकि प्रक्रिया अगस्त अंत तक चलेगी, ऐसे में 16 जून से प्रारंभ हो रहे नए शैक्षणिक सत्र के पूर्व प्राध्यापक भर्ती असंभव है। इस बार भी सत्र प्रारंभ होने के 2-3 माह पश्चात ही प्राध्यापक मिलेंगे।

बगैर अनुमति दिल के...

अस्पताल अथवा क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है। पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस नियम के पालन के लिए गंभीरता दिखाने तमाम अस्पतालों को निर्देश भी जारी किए गए थे। इसके बाद भी कई अस्पताल इस नियम की अवहेलना कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, एम्स के समीप लक्ष्मी मेडिकल हॉल के दूसरे फ्लोर पर ऐसी ही क्लीनिक का संचालन किया जा रहा था। प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच के दौरान छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल ने पाया था कि संबंधित क्लीनिक का नर्सिंग होम एक्ट और सीजीएमसी के पास पंजीयन नहीं है। छग आयुर्विज्ञान परिषद ने इस आधार पर जिला प्रशासन ने क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुशंसा की थी। इस आधार पर जिला प्रशासन की ओर से स्वयं को कार्डियोलॉजिस्ट बताकर इलाज करने वाले डॉ. वसी खान पर 20 हजार जुर्माना लगाया गया है।

150 संदिग्ध मिले, बैंक...

अकाउंट में आई थी, उक्त रकम हरमीत खनूजा के अकाउंट में ट्रांसफर होने की जानकारी एसीबी-ईओडब्ल्यू के अफसरों को मिली है।

बिजनेस साइट

बॉर्नियो मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल में हुआ 'ब्लॉसम्स' कार्यक्रम

रायपुर। बॉर्नियो मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल रायपुर में गर्भवती दंपतियों के लिए एक विशेष और संवेदनशील कार्यक्रम 'ब्लॉसम्स' का आयोजन किया गया। इस

आयोजन ने मातृत्व के भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक पहलुओं को एक सुंदर मंच प्रदान किया। डॉ. नूपुर खंडेलवाल ने गर्भावस्था के तीनों ट्राइमेस्टर को विस्तार से समझाया और इस दौरान होने वाले शारीरिक-मानसिक परिवर्तनों से निपटने के उपाय साझा किए। उन्होंने दंपतियों को इस यात्रा के हर चरण में सहयोग और समझदारी की भूमिका के बारे में बताया। इसके बाद डॉ. रश्मि चतुर्वेदी द्वारा योग समाधि और गर्भसंवाद सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं को अपने गर्भस्थ शिशु से संवाद स्थापित करने का अद्भुत अनुभव प्राप्त हुआ।

श्री राम हॉस्पिटल की बढ़ती लोकप्रियता, 25 वर्षों से सेवा में समर्पित

रायपुर। डगनिया स्थित श्री राम हॉस्पिटल पिछले 25 वर्षों से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक

मजबूत और विश्वसनीय नाम बन चुका है। यहां के प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. अखिलेश दुबे प्रमुख रूप से हड्डी रोग विशेषज्ञ और अस्पताल के संचालक हैं, जो समाजसेवा में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। डॉ. संतोष कुमार दिल्ली के प्रतिष्ठित मौलाना मेडिकल कॉलेज से प्रशिक्षित हैं, हड्डी रोगों में विशेष रूप से जॉइंट रिप्लेसमेंट और जन्मजात विकृतियों के इलाज में माहिर हैं। वहीं डॉ. दुबे सर्जन लेप्रोस्कोपी सर्जरी में दक्ष हैं और हर्निया, अपेंडिक्स जैसे मामलों में अत्याधुनिक शल्य तकनीकों का उपयोग करते हैं। अस्पताल का स्त्री रोग विभाग भी अत्यंत कुशलता से संचालित होता है।

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम आदमी को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण - श्रीमती पांचाली मुखर्जी पति स्व. श्री रजतभूषण मुखर्जी, श्री देवेश मुखर्जी व श्री भास्कर मुखर्जी, दोनों के पिता स्व.श्री रजतभूषण मुखर्जी, सभी के निवासीय पता मकान नं. सी-18, न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी, खम्हारडीह, शंकर नगर, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. के हक, अधिपत्य व स्वामित्व की आवासीय परिवर्तित संपत्ति जो कि वाके मौजा ग्राम-शंकरनगर, प.ह.न. 00063, रा.नि.मं.: रायपुर-8-शंकरनगर, तहसील व जिला-रायपुर, छ.ग. नगर पालिक निगम रायपुर वार्ड क्रमांक 28, महर्षि वाल्मिकी वार्ड, (नया वार्ड नं.32) में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 722/3 का भाग, जिसका रकबा 0.0110 हेक्टेयर अर्थात 1200 वर्गफीट (111.5241 वर्गमीटर) भूमि, जिसके भूतल पर 618 वर्गफीट में आरसीसी छतयुक्त मकान निर्मित जो कि मुख्य मार्ग से अन्दर की ओर स्थित संपत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना की राशि प्रदान कर करार नामा निष्पादन किया जा चुका है, व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध मे कोई भी व्यक्ति, कोई परिवारिक सदस्य, किसी संस्था (शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय निकाय) फर्म, समूह, कंपनी, ट्रस्ट या अन्य किसी को विक्रय करने के संबंध मे कोई दावा आपत्ति हो तो 05 दिनों के अंदर मय दस्तावेज़ सहित मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पक्ष में विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करा लिया जावेगा। जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

दिनांक 26/05/2025

नीलेश कुमार देवांगन,
अधिवक्ता एन.के. देवांगन एण्ड कं.
पंचपथ पारा चौक, भोई पारा के पास,
वार्ड ब्राम्हण पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. 9300302418

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धरमपुरा रायपुर में ई.डब्ल्यू.एस. प्रकोष्ठ भवन क्रमांक ब्लॉक नं.-40/2 भू तल, को श्री सुशील कुमार यादव पिता स्व. श्री रामचरण यादव, के नाम नामांतरण (विक्रय विलेख उपरांत) किया गया है।

श्री सुशील कुमार यादव पिता स्व. श्री रामचरण यादव, की मृत्यु दिनांक 17.12.2024 को हो गया है। पत्नि श्रीमति मीरा यादव पति स्व. श्री सुशील कुमार यादव, पता - म.न.- 02, ब्लॉक नं.-21 सी.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी धरमपुरा जिला- रायपुर (छ.ग.) ने अपने पति की मृत्यु होने के उपरांत उक्त प्रकोष्ठ भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त प्रकोष्ठ भवन को श्रीमति मीरा यादव पति स्व. श्री सुशील कुमार यादव, के नाम पर नामांतरण करने पर किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र
नवा रायपुर अटल सुपर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सेरीखेड़ी-18, तहसील व जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 26.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदिका श्रीमती उषा सिंह पति अजय सिंह निवासी माना कैम्प द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 81/18 रकबा 0.0093 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./वाचक/ अति.तहसीलदार/ वर्ष 2025 आदेश दिनांक .../.../2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक 19.05.2025 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएवं उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रा.नि.मं. रायपुर-20
तहसील रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सेरीखेड़ी-18, तहसील व जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 26.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदिका श्रीमती माधुरी सिंह पति सुरजीत सिंह निवासी माना कैम्प द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 81/17 रकबा 0.0121 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./ वाचक/ अति.तहसीलदार/ वर्ष 2025 आदेश दिनांक .../.../2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक 19.05.2025 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएवं उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रा.नि.मं. रायपुर-20
तहसील रायपुर

आम - सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार राजेश कुमार चौधरी पिता श्री खिराज राम चौधरी, निवासी- बी-29/1, सेक्टर-3, अग्रसेन भवन के पास, उदया सोसायटी, टाटीबंध, रायपुर, तह. व जिला - रायपुर छ.ग. ने विक्रेता श्री अविनाश कुमार साहू पिता स्व. श्री जमुना प्रसाद साहू, निवासी- 72, ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची जिला-रांची, झारखण्ड द्वारा आम मुख्त्यार श्री वंश शर्मा पिता स्व. श्री मनीष शर्मा, निवासी–अवंति गार्डन, दलदल सिवनी, रायपुर, तह. व जिला - रायपुर (छ.ग.) के आधिपत्य व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि जो वाके मौजा- टाटीबंध (उदया सोसायटी) प.ह.नं. 103, रा.नि.मं. रायपुर, तह. व जिला - रायपुर छ.ग. में स्थित भूखण्ड क्रमांक ए-15, प्लाट नं. 3, खसरा नंबर 214/119 रकबा 50x80 = 4000 वर्गफुट भूमि को क्रय किए जाने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन किया है तथा बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय को उपरोक्त सौदे पर किसी भी तरह की हक, उजर, दावा, आपत्ति हो वह इस आमसूचना प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि समाप्ति उपरांत कोई भी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा विधि अनुसार शून्य करणीय मानी जावेगी।

अतः सूचना जाने।

दिनांक 26/05/2025

भवदीय
पुष्कर साहू (अधिवक्ता)
एस - 2डी / 52, सेक्टर-3, स्ट्रीट नं. 3,
प्रोफेसर कॉलोनी, रायपुर तह. व
जिला - रायपुर (छ.ग.)
मो. 99261-69448

ढाई एकड़ में बनेगी नालंदा पार्ट-2 लाइब्रेरी, खर्च होंगे 23 करोड़, ड्राइंग तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के जीई रोड स्थित साइंस कॉलेज चौपाटी वाली जगह पर एक और हाईटेक लाइब्रेरी बनाई जाएगी।

- 2.5 एकड़ जमीन पर जी प्लस-2 रीडिंग रूम-सह ई-लाइब्रेरी

हरिभूमि फॉलोअप

नालंदा पार्ट-2 के नाम से बनने वाली इस लाइब्रेरी की ड्राइंग-डिजाइन तैयार हो गई है। पैवेलियन शेप में 2.5 एकड़ जगह पर जी प्लस 2 रीडिंग रूम सह ई-लाइब्रेरी परियोजना की लागत 23 करोड़ रुपए है। एक हजार सीटर हाईटेक लाइब्रेरी में एक कांफ्रेंस हॉल भी बनाया जाएगा।

शहर में नालंदा परिसर की तर्ज पर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी और शोध तथा अध्ययन कार्य करने जीई रोड स्थित साइंस कॉलेज की चौपाटी वाली जगह पर सर्व सुविधायुक्त नई लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। नालंदा पार्ट-2 लाइब्रेरी 24 घंटे युवाओं के लिए खुली रहेगी। इसमें पुस्तक भंडारण के लिए 1200 पुस्तकों के लिए जगह बनाई जाएगी।

महापौर मीनल चौबे द्वारा निगम बजट में इसका प्रावधान करने के बाद धरातल पर इसे साकार रूप देने करीब 23 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। शासन स्तर पर इसकी स्वीकृति के बाद निर्माण के लिए एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर होगा। रायपुर नगर निगम को इसके लिए निर्माण एजेंसी बनाया गया है। कुल मिलाकर तीन सेगमेंट लाइब्रेरी को बांटे जाएंगे, पहले सेगमेंट में स्कूल स्तर के विद्यार्थी, दूसरे में महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थी और तीसरे सेगमेंट में विश्वविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों को रखा जाना तय है।

जी प्लस 2 हाईटेक लाइब्रेरी ड्राइंग डिजाइन तैयार

- 1000 सीटर लाइब्रेरी की क्षमता
- नालंदा की तर्ज पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी संचालन
- को-वर्किंग स्पेस, नीचे कांफ्रेंस हॉल रहेगा
- स्टूडेंट्स के लिए अलग से स्पोर्ट्स जोन
- रिफ्रेशमेंट के लिए नीचे कैफेटेरिया की सुविधा
- पार्किंग के लिए अलग से रहेगा स्पेस

24 घंटे खुली रहेगी लाइब्रेरी : नालंदा पार्ट-1 लाइब्रेरी की तरह पार्ट-2 लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए 24 घंटे खुली रहेगी। 1200 पुस्तकों को रखने के लिए अलग से जगह बनाई जाएगी। साथ ही ऐसे युवा, जो कंप्यूटर पर अपना कोई प्रोजेक्ट लेकर कार्य करना चाहते हैं, उनके लिए को-वर्किंग स्पेस की सुविधा रहेगी। परिसर में अलग-अलग खेलकूद के लिए स्पोर्ट्स जोन भी रहेगा, जिसमें पढ़ाई के बाद फिटनेस के लिए युवा अपने पसंद के खेल का आनंद भी उठा सकेंगे।

- पैवेलियन शेप में बना ड्राइंग डिजाइन
- शहर के मध्य 1 हजार सीटर सर्वसुविधा लाइब्रेरी

हाईटेक लाइब्रेरी की देंगे सौगात

युवाओं को अपना कॅरियर बनाने और अध्ययन के लिए सर्वसुविधा के साथ हाईटेक लाइब्रेरी नगर निगम सीमा क्षेत्र में दिए जाने नालंदा पार्ट 2 लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा। इससे एक हजार युवाओं को शहर के मध्य 24 घंटे लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। निगम बजट में इसका प्रावधान किया गया है।

- मीनल चौबे, महापौर

खबर संक्षेप

छग झेरिया यादव समाज की आमसभा 29 जून को रायगढ़ में

रायपुर। सामाजिक भवन में सोमवार को छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 29 जून को छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज का आमसभा रायगढ़ में होगी। साथ ही समाज के संगठन 5066 के समानांतर संगठन के साथ बैठक करने वाले सदस्य-पदाधिकारियों कर उनके विरुद्ध आमसभा में निंदा पारित किया जाने का निर्णय लिया गया है। समाज के निर्णय नहीं मानने वाली समिति का संबद्धता समाप्त की जाएगी। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के पंजीयन उपयोग करने वाले तहसील ब्लाक परिक्षेत्र समिति प्रतिवर्ष संबद्धता और 10% राशि प्रदेश समिति को संबद्धता शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। समाज की प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव ने की। बैठक में जगतराम यादव, सुकालूराम यदु, आरडी यादव, भगत सिंह यादव, सुंदरलाल यादव, जीआर यादव, राजू यादव, रामलाल यादव, ठाकुरराम यादव, हेमकांत यादव, पंचराम यादव, रिखीराम यादव, त्रिभुवन यादव, पीतांबर यादव सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी को पेंशनर्स की समस्याओं से अवगत कराएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, पेंशनर्स फोरम की प्रांतीय बैठक में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अवगत कराने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी पेंशनर्स फोरम के प्रदेश संयोजक बीपी शर्मा ने बताया कि फोरम की बैठक राजपत्रित अधिकारी संघ कार्यालय, शंकर नगर में रखी गई। प्रदेश के विभिन्न पेंशनर संघ के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने विचार व्यक्त किए। **इन समस्याओं पर चर्चा :** महंगाई राहत धारा 49(6) के तहत मध्यप्रदेश से सहमति लेने की बाध्यता को समाप्त की जाए। महंगाई राहत के साथ एरियर्स भुगतान केंद्र सरकार के समान किया जाए। प्रदेश में लंबित पेंशन प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति तिथि पर समस्त स्वत्वों का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए। पेंशनरों को उपचार के लिए कैशलेस सुविधा अनिवार्य रूप से प्रदान की जाए।

बंगाली कालीबाड़ी समिति का समर कैम्प शुरू

रायपुर। कालीबाड़ी चौक, बंगाली कालीबाड़ी परिसर में समिति द्वारा समर कैम्प का आयोजन 26 मई से किया जा रहा है, जो एक माह तक चलेगा। इसका समय शाम 6 से 8 बजे तक रखा गया है। कैम्प में बांग्ला लिखना, पढ़ना, बोलना, बांग्ला गीत-संगीत, नृत्य, कविता पाठ, एंकरिंग, बांग्ला साड़ी रेपिंग के अलावा और भी कई प्रकार की कलाओं से सभी का परिचय कराया जाएगा। इस समर कैम्प को महुआ मजूमदार एवं उनकी टीम द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

20वीं जेडयूआरसीसी की बैठक में सदस्यों ने नई ट्रेन सुविधा की उठाई मांग

ट्रेनों को रद्द करने से सांसद नाराज, रींवा गोंडवाना एक्सप्रेस का विस्तार भी मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

अमृत भारत स्टेशन योजना की धीमी रफ्तार पर भड़के सांसद

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जोन मुख्यालय में सोमवार को 20वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक हुई। बैठक में दो सांसदों समेत कुल 19 सदस्य शामिल हुए। इसमें यात्रियों से जुड़े जनहित के मुद्दों और सुविधाओं में सुधार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में ही सांसदों ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे स्टेशनों के निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताई। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास कार्य बहुत धीमी रफ्तार से चल रहे हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए।

सांसद श्री बघेल ने ट्रेनों के बार-बार रद्द होने का मुद्दा भी उठाया और अधिकारियों से स्पष्ट जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि पटरियों के रखरखाव या अन्य कारणों से यदि ट्रेनें रद्द करनी हों तो इसकी जानकारी कम से कम 10 दिन पहले दी जानी चाहिए, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो। राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी इन बातों का समर्थन करते हुए यात्रियों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए समाधान की बात कही। बैठक में सदस्यों ने ट्रेनों के विस्तार, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्टेशन विकास की गति बढ़ाने और सूचना तंत्र को दुरुस्त करने जैसे कई अहम सुझाव रखे।

गोंडवाना को हरिद्वार तक चलाने का सुझाव

बैठक में सांसदों और समिति सदस्यों ने गोंडवाना एक्सप्रेस को हरिद्वार तक चलाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि रायपुर से सीधे हरिद्वार जाने कोई ट्रेन वर्तमान में नहीं है, जिससे यात्रियों को असुविधा होती है। इस मांग को देखते हुए गोंडवाना एक्सप्रेस को हरिद्वार तक बढ़ाया जाना जनहित में होगा। साथ ही रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग क्षेत्र में बड़ी संख्या में आंध्रप्रदेश से जुड़े लोग निवास करते हैं, जिन्हें सफर के लिए उपयुक्त ट्रेन सुविधा नहीं मिल रही है। ऐसे में आंध्रप्रदेश के लिए एक नई सीधी ट्रेन शुरू करने का सुझाव भी समिति में रखा गया।

दुर्ग से रीवा एक्सप्रेस चलाने की मांग

बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस को दुर्ग व रायपुर से चलाने को लेकर सदस्यों ने मांग रखी। लंबे समय से इसी मांग की जा रही है। बैठक में मांग रखी गई कि रीवा जाने के लिए दुर्ग और रायपुर से कोई सीधी ट्रेन नहीं है। ऐसे में बिलासपुर तक आने वाली ट्रेन को रायपुर या फिर दुर्ग तक विस्तारित किया जाए। समिति के सदस्य दीपक शर्मा ने सुझाव दिया कि अगर ट्रेन का मेंटेनेंस रीवा में होता है तो समय बचेगा और परिचालन का विस्तार आसानी से हो सकेगा।

सांसदों ने कहा- दौरे की सूचना नहीं दी जाती

बैठक में सांसदों ने रेलवे अधिकारियों पर यह कहते हुए नाराजगी जताई कि जब अधिकारी क्षेत्रीय स्टेशनों का निरीक्षण दौरा करते हैं तो इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों को नहीं दी जाती। जनप्रतिनिधियों को भी दौरे की जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वे भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकें और स्थानीय समस्याओं को सामने रख सकें। इस पर महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने आश्वासन देते हुए कहा कि आगे से डीआरएम के दौरे की सूचना साझा की जाएगी। बैठक को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने संबोधित किया। इस दौरान उप महाप्रबंधक (सामान्य) एवं जेडआरयूसीसी के सचिव समीरकांत माथुर ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी।

गैस पाइपलाइन बिछाने में लापरवाही, बारिश के समय दोबारा खुदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिले के आरंग क्षेत्र में गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य करीब सालभर पहले किया गया। इसके लिए कई किसानों की जमीन भी अधिग्रहित की गई है, जिसका अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। एक ओर जहां किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया है, वहीं दूसरी ओर ठेकेदारों की लापरवाही के कारण पाइपलाइन ठीक से बिछाए नहीं जाने के कारण अब दोबारा खेतों की खुदाई की जा रही है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि बारिश के सीजन में खेत में गड्ढे किए जा रहे हैं, वहीं खुदाई के बाद मिट्टी को भी खेत में डंप कर दिया है, जिसके कारण न केवल उन्हें खेती करने में दिक्कत होगी, बल्कि डंप मिट्टी हटवाने का खर्च भी उन्हें ही वहन करना होगा। केंद्र सरकार ने घर-घर पाइपलाइन कनेक्शन के माध्यम से गैस पहुंचाने के लिए उज्ज्वला योजना के तहत नई योजना तैयार की है।

- आरंग के तरपोंगी गांव का मामला

जानकारी लेकर देंगे निर्देश : खेतों में दोबारा खुदाई की जानकारी नहीं है। इस मामले में किसानों और ठेकेदार से बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

- आशुतोष देवांगन, एसडीएम, आरंग

केस:1

तरपोंगी निवासी किसान बंशीदास मानिकपुरी ने बताया कि उनका खेत भी अधिग्रहित किया गया है। दोबारा खुदाई कर मिट्टी को खेत में ही डंप कर दिया है, जिससे खेती-किसानी में परेशानी होगी। जमीन अधिग्रहण का मुआवजा भी नहीं मिला है।

केस:2

तरपोंगी निवासी किसान नीरज वर्मा ने बताया कि पाइपलाइन उसके खेत में भी बिछाई गई है, जिसका मुआवजा नहीं मिला है। दोबारा खेत में खुदाई कर मिट्टी को वहीं डंप कर दिया है।

युक्तयुक्तिकरण के विरोध में शिक्षक, करेंगे मंत्रालय घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शिक्षक संगठनों का कहना है कि सरकार द्वारा युक्त युक्तिकरण के नाम पर एक बार फिर शिक्षा के अधिकार अधिनियम से छेड़छाड़ की जा रही है। सेटअप 2008 का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे सभी 23 शिक्षक संगठनों में आक्रोश पनप रहा है। अब 28 मई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक तूता धरनास्थल में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद रैली की शक्ल में शिक्षक मंत्रालय का घेराव करने निकलेंगे।

- सभी 23 संगठनों के शिक्षकों ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी

नवा रायपुर में होने वाले विरोध-प्रदर्शन को लेकर सोमवार को 23 शिक्षक संगठनों के प्रदेश अध्यक्षों ने मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब में संयुक्त रूप से पत्रकारवार्ता ली। इसमें केदार जैन, मनीष मिश्रा, वीरेंद्र दुबे ने बताया कि पिछले सत्र में भी सेटअप से छेड़छाड़ का प्रयास किया हुआ था। इसे देखते हुए विरोध के बाद युक्त युक्तिकरण को स्थगित किया गया था। उस समय तय किया गया था कि जब स्कूलों में युक्त युक्तिकरण किया जाएगा, तब सभी शिक्षक संगठनों की संयुक्त बैठक बुलाकर सहमति बनाने के बाद ही सेटअप को लागू किया जाएगा। इसके बाद भी बिना सहमति बनाए गर्मी की छुट्टी में ही इसे लागू करने का प्रयास किया जा रहा है।

चार बिंदुओं पर शिक्षक रखेंगे मांग

संजय शर्मा, विकास राजपूत और कृष्ण कुमार नवरंग ने बताया कि विरोध-प्रदर्शन और घेराव के दौरान युक्त युक्तिकरण को तत्काल रद्द करने, क्रमोन्नत वेतनमान, प्रथम सेवा गणना कर पुरानी पेंशन सहित सभी लाभ देने सहित चार बिंदुओं पर अपनी मांग रखने वाले हैं। इसमें व्याख्याता एवं प्राचार्य पदोन्नति के लिए बीएड प्रशिक्षित अनिवार्य किया है। जबकि कई वर्षों से यह नियम रहा है कि पदोन्नति के लिए बीएड, डीएड दोनों मान्य है। हम मांग करेंगे कि पदोन्नति के लिए बीएड की अनिवार्यता को खत्म करके दोनों को मान्य किया जाए।

छत्तीसगढ़ में किसानों ने अब तक उठाई 20% खाद कृषि मंत्री नेताम ने कहा- बीज की भी कमी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस समय प्री-मानसून की बारिश शुरू होने के साथ ही राज्यभर में खेती-किसानी की गतिविधियां तेज हो रही हैं। यह सीजन आते ही सबसे पहले रासायनिक खाद और बीज की मांग तेज होने के साथ इसकी कमी की शिकायतें भी सामने आने लगती हैं। इसी बीच कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि खरीफ सीजन 2025 के लिए रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य 14 लाख 62 हजार मीट्रिक टन है, जिसके विरुद्ध अब तक 8 लाख 48 हजार 604 मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का भण्डारण तथा एक लाख 68 हजार 255 मीट्रिक टन का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो कि भण्डारण की मात्रा का 20 प्रतिशत है। किसानों को अब तक 47 हजार क्विंटल से अधिक बीज का वितरण किया गया है।

कृषि मंत्री ने यह बात सोमवार को बीज निगम कार्यालय में मीडिया से चर्चा के दौरान कही। इससे पहले उन्होंने एक संक्षिप्त कार्यक्रम में राज्य के 28 जिलों को नवीन बोलेरो वाहन की सौगात देने की साथ ही उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन नवीन वाहनों का उपयोग विभागीय अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं का फील्ड में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही किसान हितैषी कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर संचालक कृषि राहुल देव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

इतना है खाद का भंडार : मंत्री श्री नेताम ने बताया कि राज्य में मार्कफेड के डबल लॉक, सहकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर वर्तमान में कुल 3 लाख 90 हजार 840 मीट्रिक टन यूरिया, 86,046 मीट्रिक टन डीएपी, 1,14,539 मीट्रिक टन एनपीके, 67,640 मीट्रिक टन पोटाश तथा 1,89,539 मीट्रिक टन सुपर फॉस्फेट उपलब्ध है। किसानों को समितियों और निजी क्षेत्रों के माध्यम से खाद का वितरण लगातार किया जा रहा है। अब तक किसानों को 84,661 मीट्रिक टन यूरिया, 27,045 मीट्रिक टन डीएपी, 18,809 मीट्रिक टन एनपीके, 10,359 मीट्रिक टन पोटाश तथा 27,381 मीट्रिक टन सुपर फॉस्फेट का वितरण किया जा चुका है। वर्तमान में विभिन्न प्रकार की 6,80,350 मीट्रिक टन रासायनिक खाद राज्य में किसानों के वितरण हेतु उपलब्ध है।

- कृषि मंत्री रामविचार नेताम की मीडिया से चर्चा

बीज की भी कमी नहीं : मंत्री श्री नेताम ने बताया कि खरीफ सीजन की विभिन्न फसलों के लिए 4 लाख 95 हजार 57 क्विंटल बीज की डिमांड को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा 4 लाख 29 हजार 535 क्विंटल बीज की उपलब्धता है। समितियों में 2 लाख 31 हजार क्विंटल से अधिक बीज का भण्डारण है। समितियों के माध्यम से किसानों को अब तक 47 हजार 881 क्विंटल बीज का वितरण किया जा चुका है।

किसान जागरूकता के लिए होगा काम

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में कई योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसका लाभ किसानों को मिले, इसके लिए किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उनको इसका लाभ उठाने के लिए जागरूक करने का काम विशेष रूप से किया जाएगा। किसान जागरूकता शिविरों में इस वाहन के माध्यम से विशेषज्ञ अधिकारियों की टीम गांव-गांव पहुंचेगी और किसानों को उन्नत तकनीक एवं आधुनिक खेती की जानकारी देगी। जिलों को वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित होने से विभागीय कामकाज में तेजी आएगी।

व्यापम ने रोका राज्य पात्रता परीक्षा का रिजल्ट, अधर में फंसे अभ्यर्थी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा के अभ्यर्थी पिछले 11 महीने से परीक्षा देने के बाद रिजल्ट के इंतजार में हैं। व्यापम की अनदेखी से अभ्यर्थी भ्रम का शिकार हो रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा नियंत्रक से रिजल्ट को लेकर जब सवाल किया जाता है तो हमें धमकाते हुए कहा जाता है कि जितनी देर मुझसे सवाल करेंगे, रिजल्ट में उतना ही विलंब किया जाएगा। इसकी शिकायत अब सीएम विष्णु देव साय सहित सभी जिम्मेदारों से की जाएगी। राजधानी के मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब में सोमवार को अभ्यर्थियों ने पत्रकारवार्ता में उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है। इससे परीक्षा देने वाले एक लाख 35 हजार अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। अभ्यर्थी नम्रता सिंह, क्षमता सिंह व भावेश चंद्राकर ने बताया कि इस अन्याय के खिलाफ हरसंभव प्रयास किया गया। व्यापम कार्यालय में बार-बार ज्ञापन सौंपा, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को निवेदन पत्र भेजा, जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी दिया गया। इसके बाद कहीं से भी स्पष्ट उत्तर नहीं मिला। छग पात्रता परीक्षा का परिणाम घोषित होने से भी सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र में न केवल गेस्ट फैकल्टी की नियुक्ति संभव होगी, बल्कि सहायक प्राध्यापक की नियमित भर्ती में भी अवसर मिलेगा। इसे देखते हुए अब हम मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों से मिलेंगे।

- छत्तीसगढ़ नेट, सेट, पीएचडी अभ्यर्थी संघ ने लगाई गुहार

- पिछली बार ओवरएज की नियुक्ति को लेकर हो चुका है विवाद
- जिलाध्यक्षों को लेकर भी 60 साल की उम्र सीमा का ध्यान रखा गया

छत्तीसगढ़ भाजयुमो में 'अंडर 35' को ही मिलेंगे पद, नहीं चलेंगे ओवरएज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन में अगले माह भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी बनेगी तो इसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा के नए अध्यक्ष की भी नियुक्ति होगी। इसके बाद जहां भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी बनेगी, वहीं जिलों में भी भाजयुमो के अध्यक्ष तय होंगे।

इस बार तय है कि संगठन चुनाव में जिस तरह से मंडल अध्यक्ष के लिए 45 साल और जिलाध्यक्ष के लिए 60 साल के उम्र की बाध्यता थी, उसी तरह से भाजयुमो अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के लिए अंडर 35 साल की बाध्यता रहेगी। पिछली बार प्रदेश भाजयुमो की कार्यकारिणी में ओवरएज को पदाधिकारी बनाने के कारण बड़ा विवाद हुआ था। ओवरएज को बाहर करने की भी तैयारी थी, लेकिन ऐन समय पर भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी के बदले जाने के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। भाजपा का राष्ट्रीय संगठन इस बार भाजपा संगठन के चुनाव को लेकर बहुत गंभीर है। बीते साल सितंबर में भाजपा के सदस्यता अभियान के बाद प्रदेश संगठन के चुनाव हुए तो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि किसी भी हाल में मंडलों के अध्यक्षों की उम्र 45 साल से ज्यादा न हो। कुछ स्थानों पर तो जिनके नाम का समर्थन भाजपा के दिग्गज नेताओं ने किया था, उनकी उम्र ज्यादा होने के कारण उनको भी अध्यक्ष नहीं बनाया गया। इससे साफ है कि भाजपा इस बार कितनी गंभीर है। इसी तरह से जिलाध्यक्षों को लेकर भी 60 साल की उम्र सीमा का ध्यान रखा गया।

अंडर 35 ही बनेंगे पदाधिकारी

यह बात तय है कि भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष की कमान जिनको दी जाएगी, उनकी उम्र 35 साल से अंदर ही होगी। पिछली बार भी पहले अमित साहू को अंडर 35 होने के कारण अध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर बड़ा विवाद हुआ। भाजपा के दिग्गज नेताओं के कहने पर कार्यकारिणी में कुछ ओवरएज नेताओं को पद दे दिए गए, लेकिन इसकी शिकायत उस समय की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी तक गsई तो उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी के साथ पूरे प्रदेश के जिलाध्यक्षों की कुंडली भी बनवा ली। इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी के साथ कुछ जिलों के अध्यक्षों को भी बाहर करने की तैयारी हो गई थी, लेकिन डी. पुरंदेश्वरी के प्रदेश प्रभारी के पद से हटने के बाद अंततः यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया। पिछली बार के विवाद को देखते हुए इस बार प्रदेश संगठन ने पूरी सावधानी रखने का फैसला किया है। ऐसे में तय है कि इस बार भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारिणी के साथ जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में अंडर 35 पर ही फोकस होगा।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, मंगलवार 27 मई 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

दिनभर वट वृक्ष की छांव में सुहागिनों ने...

एजुकेशन अलर्ट

बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 29 मई को, एक घंटे पहले पहुंचना होगा केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का आयोजन 29 मई बुधवार को किया जाएगा। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र मंडल की आधिकारिक वेबसाइट https://vyapamcg.cgstate.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के समय से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक रहेगा। अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र केवल ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध होगा, डाक द्वारा किसी को नहीं भेजा जाएगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या विद्यालय द्वारा जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना आवश्यक होगा। इसके अभाव में परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मंडल के हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 या मोबाइल नंबर +91 8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग

जीव युवा उत्थान योजना के तहत द्वितीय प्रशिक्षण सत्र 2024.25 हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में अनु. जाति, अनु. जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु 10 जून तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र में एस.एस.सी., बैंकिंग, रेलवे, छ.ग. व्यापम एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अनुबंधित निजी कोचिंग संस्था के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। 12वीं एवं स्नातक पास अभ्यर्थी पंजीकृत डाक के माध्यम से या कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र एवं अन्य विस्तृत जानकारी साइंस कॉलेज के पास चांटीडीह रोड स्थित कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में अथवा जिले की वेबसाइट **www.bilaspur.gov.in** से प्राप्त की जा सकती हैं। अंतिम तिथि पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सीबीएसई बोर्ड की स्कूलों में 1 अप्रैल से कक्षाएं प्रारंभ, फरवरी में ही क्लोज हो चुका एडमिशन

प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी की कक्षाएं फुल, आरटीई का कोटा भी पूरा, खेल-खेल में बच्चे सीखेंगे अ से अनार, ए फॉर एप्पल

नर्सरी व पीपी-1 की कक्षाओं में अ से अनार, ए से एप्पल सीखने प्राइवेट स्कूलों की ओर बच्चों के कदम बढ़ चले हैं। राजधानी के अधिकांश पैरेंट्स ने अपने बच्चों को नर्सरी, पीपी-1 की कक्षाओं में एडमिशन कराने शहर के सीबीएससी व सीजी बोर्ड के टॉप टेन स्कूलों को चुना है। जहां 3 से 4 वर्ष के बच्चे नर्सरी कक्षा में खेल-खेल में प्राइमरी शिक्षा व पीपी-1 में अक्षरों की पहचान सीखेंगे।

जिले में नर्सरी व पीपी-1 के बीस हजार सीटें, आरटीई के कुल 4935 में से 4510 सीटों पर पहले ही दाखिला

सीबीएससी बोर्ड की 10 प्रमुख स्कूल के नाम

नाम	कुल सीट	एडमिशन की स्थिति
डीपीएस सेमरिया रायपुर	- 100	-100
केपीएस डूंडा	-100	-100
ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल, नारदहा	-100	-100
ज्ञानगंगा एजुकेशन एकेडमी नारदहा	-100	-100
आरके सारडा विद्यामंदिर सड्डू	-100	-100
द रेडियंट-वे स्कूल आमानाका	- 100	-100
होलीक्रास सीनियर सेकंडरी स्कूल कांपा	-100	-100
होलीक्रास हायर सेकंडरी स्कूल पेंशनबाड़ा	-100	-100
सेंट मैरी इंग्लिश मीडियम स्कूल देवेंद्र नगर	-100	-100

सीजीबोर्ड के प्रमुख स्कूल के नाम

नाम	कुल सीट	एडमिशन की स्थिति
छत्रपति शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल पुरानी बस्ती	-100	-100
मदर प्राइड इंग्लिश मीडियम स्कूल सुंदर नगर	-100	-100
वर्धमान इंग्लिश मीडियम स्कूल राजेंद्र नगर	-100	-100
मूनलाइट इंग्लिश मीडियम स्कूल पंडरी	-100	-100
सालेम इंग्लिश मीडियम स्कूल, मोतीबाग	-100	-100
किड्स ओमश्री विद्या निकेतन स्कूल कोटा	-100	-100
शिवम इंग्लिश मीडियम स्कूल रायपुरा	-100	- 100
दक्षिणामूर्ति विद्यापीठ चंगोराभाठा	-100	-100

रायपुर। सिटी के इन हाई प्रोफाइल स्कूलों में खासकर नर्सरी व पीपी-1 की कक्षाओं में बच्चों के एडमिशन की इतनी मारी-मारी रही कि सीजी व सीबीएससी बोर्ड की स्कूलों की स्थाई व आरटीआई दोनों ही कोटे की सीटें फरवरी महीने में ही फुल हो चुकी हैं। वहीं, सिटी के सभी सीबीएससी बोर्ड के स्कूलों में 1 अप्रैल से नर्सरी व पीपी-1 कक्षाएं भी प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि सीजी बोर्ड की प्राइवेट स्कूलों में 15 जून से कक्षाएं प्रारंभ होंगी। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर प्रदेश का एकमात्र जिला है, जहां प्राइवेट स्कूलों के नर्सरी, पीपी-1 की कक्षाओं में बच्चों के दाखिला कराने में पैरेंट्स सबसे आगे हैं। शहर की ऐसे ही कुछ प्रमुख प्राइवेट स्कूल, जो इस सत्र में नर्सरी व पीपी-1 के लिए पैरेंट्स की पहली पसंद रही और उन स्कूलों की उपलब्ध दाखिला सीटें समय से पूर्व फुल हो गई। इसकी महत्वपूर्ण रिपोर्ट हरिभूमि की टीम साक्षा कर रहा है।

5 से 7 प्रतिशत तक स्कूल फीस में बढ़ोतरी

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया ने कि इस सत्र में नर्सरी व पीपी-1 की कक्षाओं में सभी सीबीएससी एवं सीजी बोर्ड की प्राइवेट स्कूलों में 5 से 7 प्रतिशत तक एडमिशन फीस में बढ़ोतरी की गई है। उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार स्कूल प्रबंधनों ने अलग-अलग एजुकेशन फीस तय की हैं।

जिले के सीजी व सीबीएससी बोर्ड के टॉप 10 प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन, सीटें, फीस और कक्षाओं पर खास खबर

आरटीई के कुल 425 सीटें शेष

इस सत्र में जिले में कुल 834 निजी स्कूलों में नर्सरी व पीपी-1 की कक्षा के लिए आरटीआई की 4935 सीटें रिजर्व थीं। इनमें से 4510 पर एडमिशन हो चुका है, जबकि 425 सीटों पर एडमिशन शेष हैं। इस प्रकार से शहर के टॉप टेन प्राइवेट स्कूलों में स्थाई सीटों के अलावा आरटीआई सीटों का कोटा भी फुल हो चुका है। जो आरटीआई से सीटे शेष हैं, उनमें भी लगभग दूसरे प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन अंतिम चरण में पहुंच गया है।

सिटी इवेंट

स्टूडेंट्स ने सीखा ड्रोन उड़ाना टेक्नॉलाजी से हुए रूबरू

रायपुर। आरआईटीईई रायपुर में ड्रोन टेक्नोलॉजी तकनीक पर बूट कैंप के चौथे दिन 90 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने हवा में ड्रोन उड़ाना सीखा। बूट कैंप में ड्रोन टेक्नोलॉजी का शिक्षा दे रहे विशेषज्ञों ने सोमवार को नंदनवन रोड स्थित आदित्य बॉयोटेक कैंपस में स्टूडेंट्स को ड्रोन फ्लावर ड्रॉपिंग यानी गार्डनों में फूल व पौधों में ड्रोन के सहायता से वाटर स्प्रे की पद्धति सिखाया। बता दें कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के सहयोग से 5 दिवसीय ड्रोन बूट कैंप का प्रारंभ आरआईटीईई परिसर छतोना मंदिर हसौद में किया गया। इसमें इंजीनियरिंग छात्र-छात्राएं ने अब तक ड्रोन की बेसिक जानकारी व टेक्नोलॉजी को समझा। एक्सपर्ट ने प्रशिक्षुओं को बताया कि कैंप के अंतिम दिन 27 मई दिन मंगलवार को 15 सत्रों का यह ड्रोन ऑपरेटिंग व डेवलपिंग टेक्नोलॉजी का समापन होगा। विशेषज्ञों ने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी आज कॅरियर के रूप में भी एक अच्छा ऑप्शन है। अगर हम ड्रोन के उपयोग करना जान जाते हैं, तो हमारे लिए रोजगार के नए अवसर खुल जाएगा।

इन्होंने दिया प्रशिक्षण

कैंप के चौथे दिन मानव रहित ड्रोन, फीक्सड विंग के बारे में डॉ. राजेश्वर, जयदीप सिन्हा, डॉ. अरूणा राणा ने स्टूडेंट्स को बताया। साथ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स, महानदी एजुकेशन सोसाइटी रायपुर के सचिव शैलेंद्र जैन ने भी ड्रोन की वर्तमान समय में उपयोगिता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विशेषज्ञों से ड्रोन तकनीकी के बारे में कैंप में जानकारी प्राप्त कर स्टूडेंट्स रोमांचित हैं।

12 सत्रों में जाना ड्रोन टेक्नोलॉजी की बारीकियां

पिछले 4 दिनों से ड्रोन बूट कैंप में अलग-अलग इंजीनियरिंग कॉलेज से पहुंचे ड्रोन टेक्नोलाजी के एक्सपर्ट्स ने इंजीनियरिंग के छात्रों को अब तक 12 अलग-अलग सत्र में ड्रोन का उपयोग, उड़ाने की विधि, टेक्नोलॉजी के बारे में थ्योरीकल व प्रैक्टिकल दोनों तरह की जानकारी दी है। 5 दिवसीय इस कैंप में 15 सत्र रखा गया है, यानी रोजाना 3 सत्र में विशेषज्ञ स्टूडेंट्स को ड्रोन टेक्नोलॉजी पढ़ा व सिखा रहे हैं।

राइडर्स कपल ने बाइक से पूरी की केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा, दिया पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य का संदेश

रायपुर। साहस, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ शहर के राइडर्स कपल कृतेश कुमार साहू और उनकी पत्नी दीक्षा साहू ने बाइक से केदारनाथ और बद्रीनाथ की पवित्र यात्रा पूरी की। ये दो धामों की 4000 किलोमीटर लंबी यात्रा 10 मई को रायपुर से शुरू हुई और 25 मई को सम्पन्न हुई। इस यात्रा के माध्यम से कपल ने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अध्यात्म और एडवेंचर के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल बने इस कपल की यात्रा ने बाइकिंग कम्युनिटी में नई प्रेरणा जगाई है। कपल ने बताया कि यात्रा के दौरान उनकी बाइक में तकनीकी खराबी आई और दो बार हल्के हादसे भी हुए। मौसम की मार और ऊंचाई की चुनौतियां भी आईं, लेकिन उन्होंने धैर्य नहीं खोया और संकल्प के साथ यात्रा पूरी की। युवाओं के लिए यह यात्रा प्रेरणादायक मिसाल बन गई है।

मानसिक स्थिति को नजरअंदाज न करने की सलाह

यात्रा के दौरान कपल ने हरिद्वार, ऋषिकेश और आगरा जैसे प्रमुख शहरों में ठहरकर स्थानीय युवाओं से मुलाकात की और दो अहम विषयों मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता फैलाई। उन्होंने युवाओं को खुलकर बातचीत करने और मानसिक स्थिति को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। साथ ही, पर्यावरण को बचाने के लिए दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन असरदार बदलाव लाने पर जोर दिया। पूरे सफर में बाइक उनका भरोसेमंद साथी रहा। चाहे वो बर्फ से ढके हिमालयी रास्ते हों या फिर उबड़-खाबड़ पहाड़ी मोड़। केदारनाथ की बर्फीली वादियां और बद्रीनाथ का आध्यात्मिक माहौल इस यात्रा की आत्मा बन गए।

बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान, 40 छात्रों को दिए पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा द्वारा जोरा स्थित पंजाब केसरी भवन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर दसवीं और बारहवीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 40 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा का सम्मान करना और मनोबल बढ़ाना रहा। सभा का संचालन स्कूल के छात्र दिया मिनोचा, ऐशना जग्गी और अर्शिया जग्गी ने किया। इस मौके पर बच्चों का मनोबल बढ़ाने माता-पिता और परिजन शामिल हुए। वहीं, अन्य छात्रों को बेहतर प्रस्तुति के लिए प्रोत्साहित किया गया। सभा के अध्यक्ष जवाहर खन्ना ने संबोधन कि शुरुआत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए किया। उन्होंने कहा, प्रत्येक वर्ष समाज के बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इससे अन्य बच्चों को भी ऊर्जा मिलती है। इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और जीवन में अनुशासन देखने को मिलता है। सम्मान समारोह में राजीव विग, सतिंदर कोहली, विकास विग, रेनु गुप्ता, तृषा खुराना, मीनू चंगा एवं समाज के सदस्यों की उपस्थिति दर्ज की गई।

फूड डिलीवरी- बैंकों में मिल रहा कमाई का मौका, जॉब छूटने पर खुल रहे नई कंपनी के दरवाजे

कम पढ़े-लिखे 5 हजार से ज्यादा युवाओं को प्लेसमेंट में हर साल रोजगार केंद्र दिला रहा जॉब

कार्नर न्यूज

रायपुर। कम पढ़े-लिखे युवाओं को बेरोजगारी के दंश से बचाने के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र सार्थक पहल कर रहा है। इससे जहां डिग्री-डिप्लोमा धारियों को मल्टी नेशनल कंपनियां दूसरे बड़े शहरों में जॉब ऑफर करते हुए अच्छा पैकेज दे रही हैं। इससे 10वी-12वीं पास युवा अछूते नहीं है। इस तरह के कम पढ़े-लिखे युवाओं को प्लेसमेंट के जरिए हर साल 5 हजार से ज्यादा जॉब ऑफर किया जाता है। इससे उन्हें 12 से 15 हजार रुपए सैलरी के अलावा सर्विस सेक्टर में कमिशन मिलता है। इससे लोगों को बेरोजगारी की दलदल से बाहर निकलने का अवसर भी मिलने लगा है। रोजगार कार्यालय द्वारा अभी तक जॉब दिलाने के लिए लगाए गए प्लेसमेंट कैंप का जायजा लेने पर जानकारी सामने आई।

अनुभव के बाद बड़े शहरों में जमा रहे पैठ

प्लेसमेंट कैंप को लेकर उप संचालक एओ लॉरी ने बताया कि 22 जून 2015 से 31 मार्च 2025 की स्थिति में 428 बार जॉब मेला लगाया गया। इसमें 1128 कंपनियों और संस्थाओं ने भाग लिया। एक लाख 35 हजार से ज्यादा वैकेंसी मिली। इनमें 6वीं से 12वीं पास युवाओं को फूड डिलीवरी के साथ कस्टमर सपोर्ट सर्विल से जुड़े जॉब मिलने से वे विकल्प के रूप में इसे चुन रहे हैं। कम पढ़े-लिखे युवाओं ने मार्केटिंग फील्ड में पैठ जमा लिया है। बड़े शहरों से कैम्प में युवाओं की तलाश में आने वाली कंपनियां उनके अनुभव के आधार पर सैलरी के साथ कमीशन का ऑफर भी करती हैं।

आटो मोबाइल सेक्टर में मार्केटिंग व सेल्स

शहर के 10वीं-12वीं पास युवा अब कम्प्यूटर प्रशिक्षण लेने के बाद ऑटो मोबाइल सेक्टर के साथ ही मार्केटिंग फील्ड में भी सेल्समैन की तरह काम करते हुए कमीशन के साथ सैलरी भी ले रहे हैं। ऐसे युवाओं को शहर में ही अलग-अलग ऑटो मोबाइल और फूड डिलीवरी के साथ ही कस्टमर सेवा से जुड़ी कंपनियों में कम समय में कमाई का बेहतर विकल्प मिलने लगा है। इसे कम पढ़े-लिखे युवा भी अवसर की तरह लेने लगे हैं। सिक्योरिटी सर्विस के लिए भी युवा प्राइवेट कंपनियों का हिस्सा बनने लगे हैं। काम छुटने के बाद भी उनके साथ नए विकल्प के रूप में प्लेसमेंट कैम्प उन्हें ऑफर दिलवा रहा है।

सिटी लाइव

सर्वश्रेष्ठ रोवर, रेंजर, स्काउटर, गाइडर एवं स्काउट-गाइड को दिया गया पुरस्कार

रायपुर। राजभवन में स्काउट्स और गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल डेका ने राज्य के सर्वश्रेष्ठ स्काउटर, गाइडर, रेंजर एवं स्काउट-गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को देखते हुए प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। स्काउट्स एवं गाइड्स को इसमें अपना सक्रिय योगदान देना होगा। उन्होंने सभी से एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और दोस्तों एवं परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही। डेका ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स अपने आदर्श वाक्य 'तैयार हो' के अनुरूप हमेशा अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी के साथ देश और समाज की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। देश के युवाओं को अच्छे नागरिक बनने, आत्मनिर्माण करने और सेवा कार्य के लिए सदा तैयार रहने की प्रेरणा देते हैं।

इन्हें मिला पुरस्कार

समारोह में सर्वश्रेष्ठ स्काउट दीपक सिंह, नितिश कुमार यादव, लोमेश कुमार, सर्वश्रेष्ठ गाइड कु. दीक्षा पटेल, कु. हंसनी, कु. झरना साहू, सर्वश्रेष्ठ रोवर अनुज साहू, सर्वश्रेष्ठ रेंजर कु. नेहा सेन व कु. प्रियंका यादव को राज्यपाल ने पुरस्कृत किया। इसी तरह सर्वश्रेष्ठ स्काउटर गोपाल राम वर्मा व मिलन सिंह सिन्हा एवं सर्वश्रेष्ठ गाइडर पुष्पा शांडिल्य व सुरजनीकला पाटकर सम्मानित हुए। दीर्घ सेवा अलंकरण स्काउटर रोमन लाल साहू व गाइडर श्रीमती बीना यादव को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव एवं आभार प्रदर्शन राज्य सचिव कैलाश सोनी ने दिया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर प्रसन्ना, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, राज्य के अन्य पदाधिकारी, विभिन्न जिलों से आए हुए स्काउट्र, गाइडर, रोवर, रेंजर एवं स्काउट-गाइड उपस्थित थे।

● घरों से लेकर मंदिरों तक वट वृक्ष के नीचे घेरा बनाकर महिलाओं ने की पूजा

दिनभर वट वृक्ष की छांव में सुहागिनों ने बांधी आस्था की डोर, मांगा अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

"जेठ माह के कृष्ण पक्ष के अमावस्या तिथि को वट सावित्री की पूजा की गई। इस अवसर पर शहर के चौक-चौराहों पर बरगद वृक्ष के नीच सुहागिन महिलाएं समूह में पूजन-ध्यान करती नजर आईं। यह व्रत पति की लंबी उम्र और परिवार के खुश-समृद्धि के लिए की गई, जहां महिलाएं सोलह श्रृंगार कर बंदन का शुभ सिंदूर लगातार पूजन स्थल पहुंचीं। भारतीय परिवेश में सुबह से महिलाओं की भीड़ वट वृक्ष के नीचे घेरा बनाकर पूजन करती रही।

रायपुर। परिवार के सुख-समृद्धि व अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं हर साल वट सावित्री व्रत रहती हैं। पुजारी राकेश पांडे ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ में त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्ण व महेश का वास होता है। व्रती महिलाएं वृक्ष पर जल अर्पित कर, सोलह श्रृंगार की वस्तुएं और मौसमी फल भेंट करती हैं। शुभ दिन तीनों देव का वास वृक्ष पर होता है, इस व्रत से यमराज भी प्रसन्न होते हैं।

सावित्री और सत्यवान की कथा

अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा ऊं सोसायटी में वट सावित्री पूजा का आयोजन किया गया। सामूहिक पूजन के दौरान महिलाएं शामिल हुईं। जहां नव विवाहित महिलाएं भी पति की लंबी उम्र के लिए पूजन करती दिखीं। नारीशक्ति प्रकोष्ठ से सविता शर्मा ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार सावित्री, मद्रदेश के राजा की बेटी थी। जिसने राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को विवाह योग्य स्वीकार किया था, लेकिन नारद जी सत्यवान की अल्पवायु का जिक्र किया और कहा कि एक साल बाद इसकी मृत्यु हो जाएगी। इस दौरान सावित्री ने वट वृक्ष की पूजा की और अपने सुहाग की रक्षा के लिए यमराज, ब्रम्हा, विष्णु, महेश को प्रसन्न कर पति की लंबी आयु का आशीर्वाद मांगा।

सामूहिक वट सावित्री पूजा का आयोजन

श्री साईं दर्शन आवासीय समिति साईं नगर जोरा के तत्वाधान में महिलाओं के द्वारा एकजुट होकर सामुहिक रूप से वट सावित्री की पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर 50 से अधिक महिलाओं ने आपस में मिलकर पूजा-अर्चना की। साथ ही साड़ी, सिंदूर, चूड़ी, बेसन का थापा जैसे कई पूजन सामग्री वृक्ष को अर्पित किया। इस अवसर पर निशा सोनी, मीना ठाकुर, तनु साहू, ज्योति वर्मा, सुरुचि कश्यप, धनेश्वरी चंद्राकर, आशी शर्मा, माया बैस, दिव्या शर्मा और पिंकी शर्मा आदि मौजूद रहीं।

मंत्रोच्चार के साथ वृक्ष का 108 फेरे

श्री सुरेश्वर महादेव पीठ से पं. राजेश्वरानंद ने बताया कि मंदिर परिसर में बरगद वृक्ष सालों से मौजूद है। प्रत्येक वर्ष महिलाएं सामूहिक रूप से पूजन के लिए पहुंचती हैं। वट सावित्री व्रत के अवसर पर देर शाम तक लगभग 500 से अधिक महिलाओं ने पूजा की है। इस अवसर पर विशेष पूजन का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने मंत्रोच्चार के साथ 108 बार वृक्ष के फेरे लगाए। सभी महिलाएं मौली धागा और कुंवारी धागा जैसे पवित्र पूजन सामग्री के साथ शामिल हुईं।

महावीर नगर में महिलाओं ने की वट सावित्री की पूजाः नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न भागों में सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पूजा विधि-विधान के साथ की। इस अवसर पर महिलाओं ने वटवृक्ष के नीचे फल-फूल और पूजन सामग्री के साथ पूजन-अर्चन किया। कच्चे धागे के साथ वृक्ष की परिक्रमा की और अपने पति के दीर्घायु होने का वरदान मांगा। इसी कड़ी में महावीर नगर में महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत के साथ पूजा-अर्चना की।

सावित्री और सत्यवान की कथा

वृक्ष के नजदीक पूजन करती हुईं महिलाएं सावित्री और सत्यवान की कथा एवं ध्यान करती दिखीं। महिलाओं ने बताया कि माता पार्वती के कहने पर भगवान शिव ने वट सावित्री पूजन विधि को बताया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत से देव प्रसन्न होकर पति के लंबी उम्र का आशीर्वाद देते हैं। दूधाधारी मठ परिसर में सुबह से देर शाम तक महिलाओं की भीड़ देखने को मिली, जो कतार में वट वृक्ष की आराधना करती दिखीं। वट सावित्री व्रत के दिन सुबह 8:52 मिनट से शुभ मुहूर्त पर महिलाओं की भीड़ जुड़ने लगी, जो देर शाम 5:28 मिनट तक शुभ मुहूर्त तक पूजन कार्य जारी रहा। शहर स्थित पुरानी बस्ती, लाखेनगर, सुंदर नगर, रायपुरा, अम्लेश्वर, गुढ़ियारी, शंकर नगर, संतोषी नगर, राम नगर, न्यू राजेन्द्र नगर जैसे कई स्थानों पर पूजा-अर्चना की गई।

सिटी इवेंट

रेल यात्रियों को रैली व नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाएगा। इसके तहत रेल यात्रियों को पर्यावरण के प्रति सजग बनाने विश्व पर्यावरण दिवस अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान रायपुर रेल मंडल में 22 मई से 5 जून तक चलेगा। इसके अंतर्गत 'खुद को रोको, खुद को टोको' थीम पर यात्रियों व रेलवे कर्मचारियों को प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने मंडल परिक्षेत्र के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक व रैली से संदेश दिया जा रहा है। इस वर्ष का रेलवे का अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित चरणबद्ध में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें जागरूकता, संवाद और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को यात्रियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत डब्ल्यूआरएस कॉलोनी एवं रायपुर रेलवे स्टेशन पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट एंड गाइड्स द्वारा जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स ने लिया भाग

इस अभियान में मुख्य स्टेशन प्रबंधक सहित मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक, स्काउट गाइड्स सफ़ाई कर्मियों, वेंडरों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। एस अरुण मुदलियार, नंदिनी गौड, पी गोपाल नायडू, जग्गनाथ दास, माम्पी दास, विमल दास, स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स ने कार्यक्रम को सफल बनाया। रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भाटापारा सहित मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

फूलों से आज शनि देव का होगा श्रृंगार जन्मोत्सव पर प्रज्ज्वलित होंगे ज्योत

शहर के शनि मंदिरों में सुबह से शाम तक अभिषेक के लिए पहुंचेंगे श्रद्धालु

रायपुर। शहर के चूड़ी लाइन ही नहीं, कोटा और डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित शनि मंदिरों में भगवान शनि देव का जन्मोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। शनि देव जन्मोत्सव की तैयारी को सोमवार की शाम अंतिम रूप दिया गया। मंदिर के पुजारियों के मार्गदर्शन में यजमानों को सहयोग के लिए भी व्यवस्थागत तैयारी की गई है। अलग-अलग मनोकामना के लिए तेल से अभिषेक कराने के लिए जिन श्रद्धालुओं ने जानकारी दी है, उनकी पूजा को तय समय पर करवाने के लिए पंडितों को दायित्व देने का विकल्प भी रखा है। पं. संतोष शर्मा ने बताया कि शनि देव जन्मोत्सव पर दिनभर ज्योत जलवाने के लिए 70 लोगों ने पंजीयन करवाया है। वहीं, तेल अभिषेक के लिए 05 श्रद्धालुओं ने पूर्व सूचना के साथ शुल्क जमा करते हुए समय की जानकारी ली है।

मंदिरों में सुबह से शाम तक उत्सव

पं. संतोष शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर कई विशेष योग बन रहे हैं। इनमें सुकर्मा योग और द्विपुष्कर योग शामिल हैं। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए इस दिन पूजा-अर्चना, दान-पुण्य और कुछ विशेष उपायों को करने का विधान है। जन्मोत्सव पर सुबह फूलों से शनि देव का श्रृंगार करने के बाद सुबह 7.30 बजे मंगल आरती की जाएगी। शाम साढ़े सात बजे महाआरती होगी। इसमें दर्शन के लिए आने वाले शनि भक्त भी शामिल होंगे। मंदिर में होने वाली भीड़ को देखते हुए चूड़ीलाइन में पुजारियों ने व्यवस्था बनाने जिम्मेदारी बांट दी है।

विधि-विधान से श्रद्धालु करेंगे पूजा

कोटा स्थित श्री शनिदेव मंदिर में मंगलवार को शनिदेव जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पुजारी विकास शर्मा ने बताया कि शनि देव को तेल स्नान करवाने और विशेष दिन दर्शन करने के साथ लोग काला वस्त्र, लोहा, तिल, उड़द के साथ ही तेल अभिषेक भी करवाते हैं। इससे शनिदेव की कृपा दृष्टि प्राप्त होती है। सुबह से ही आयोजन शुरू हो जाएगा। सुबह 7.30 बजे आरती, 11 बजे हवन, 12 बजे से भंडारा और शाम 4 बजे भजन-कीर्तन शुरू होगा। भजन संध्या में शाम 7 बजे से जय किशन एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। रात 7.30 बजे ढोल बाजे व आतिशबाजी के साथ महाआरती की जाएगी। रात्रि 8 बजे से भोग प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

शिविर में महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास

रायपुर। जेसीआई यूथ कैपिटल द्वारा टैगोर नगर स्थित एंजेल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। इस मौके पर सेल्फ मैनेजमेंट, मनी मैनेजमेंट, पब्लिक स्पीकिंग जैसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। ग्रीष्मकालीन शिविर में 5-15 वर्ष के 20 से अधिक स्कूली छात्रों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान प्रशिक्षकों ने छात्रों को सेल्फ मोटिवेट करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, दूसरों से बात करते वक्त आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखें। साथ ही, अपने पॉकेटमनी से हर माह कुछ रुपए बचत करें, जो आने वाले भविष्य में मददगार साबित होगा। शिविर में डांस, पॉट पेंटिंग, फायरलेस कुकिंग जैसे कई विधाओं में भी प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में जेसीआई से आंचल पंजवानी, यूथ कैपिटल की अध्यक्ष नैन्सी बरडिया, आदित्य पारख, पलाश जैन, गौरव कोचर व अन्य सदस्य शामिल रहे।

निशुल्क शिविर में सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग

समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में ग्रीष्मकालीन निशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस वर्ष 15 अप्रैल से 30 मई तक शिविर का आयोजन किया जा रहा, जिसमें 40 से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण का लाभ ले रही हैं। सॉलिटेयर कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को द आर्ट ऑफ बजटिंग एंड सेविंग, सेल्फ डिफेंस, आई एम द लीडर, पर्सनालिटी डेवलपमेंट विथ बेलेंस लाइफ, इजी इंटेरियर हेक का प्रशिक्षण दिया जा रहा। शिविर में मीनाक्षी त्रिपाठी, डॉ. राजीव चैधरी, अंजलि शर्मा, रचनी चंद्रवंशी, आर्किटेक्ट नेहा अगासे महिलाओं को प्रशिक्षक दे रही हैं। इस कार्यक्रम से महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

योग ओलंपियाड के लिए संभाग में 16 खिलाड़ी चयनित, राज्य स्तर पर करेंगे योग प्रतिभा का प्रदर्शन

रायपुर। स्वस्थ शरीर के लिए दिनचर्या में योग का शामिल होना आवश्यक है। इससे व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून शनिवार को है। इस मौके पर शहर के विभिन्न स्थानों पर भव्य रूप से शिविर के माध्यम से लोग योग करेंगे। प्रत्येक वर्ष राज्य सरकार द्वारा साइंस कॉलेज मैदान में योगा शिविर का आयोजन किया जाता है, जहां मितानित, शासकीय स्कूल एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट, संस्थान एवं शहरवासी हजारों की संख्या में एकत्रित होकर शिविर का लुफ्त उठाते हैं। बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष योग दिवस को लेकर तैयारी जोरों पर है, जहां संस्थान के सदस्य लगभग 20 दिन पहले ही तैयारियों में जुट चुके हैं।

योग दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम

भारतीय योग संस्थान से राजधानी प्रबंधक मुकेश सोनी ने बताया कि योग दिवस से पूर्व शहर के प्रत्येक केंद्र के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसके अनुसार 21 जून को शहर स्थित अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर योग दिवस मनाया जाएगा। वहीं, दूसरे दिन शहर स्थित मैदान में 1000-1200 लोगों के साथ योग शिविर का आयोजन होने जा रहा। इस मौके पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग वर्ग के लोग शिविर में मौजूद रहेंगे।

प्रदेशभर के युवा योगाभ्यास के लिए जुट रहे

एनसीसी ग्रुप मुख्यालय द्वारा 30 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें प्रदेशभर के एनसीसी कैडेट्स ने हिस्सा लिया है। 21 मई से प्रारंभ शिविर का समापन 21 जून को होगा, जहां कैडेट्स साथ जुड़कर योगाभ्यास करेंगे। शिविर के अंतर्गत योग संगम, योग बंधन, योग कनेक्ट, हरित योग, योग अनप्लग्ड एवं योग महाकुंभ जैसे अभ्यास जारी हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ शरीर तैयार करना है।

सिटी स्पोर्ट्स

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ ने जीते 14 पदक

रायपुर। खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन 04 से 15 मई तक बिहार के पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगुसराई में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के अन्य राज्यों सहित छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के दल ने भाग लिया। इस वर्ष यूथ गेम्स में कुल 26 खेलों व 01 डेमो खेल को शामिल किया गया था। यह केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजना है। छत्तीसगढ़ से गतका, कलारीपट्टू, स्वीमिंग, बैडमिन्टन, जूडो, रग्बी, फेसिंग, वेटलिफ्टिंग, थांगता, मलखम्भ, कबड्डी, कुश्ती, बास्केटबाल, शूटिंग, बॉक्सिंग सहित कुल 15 खेलों में हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ से कुल 106 खिलाड़ी तथा 29 सपोर्ट स्टाफ (कुल 135 लोगों) का दल सम्मिलित हुआ। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ के 18 खिलाड़ियों ने 08 खेल विधा में 03 स्वर्ण, 01 रजत तथा 10 कांस्य पदक सहित कुल 14 पदक अर्जित किए।

रिंग फाइट चैंपियनशिप में दो ब्रांज के साथ छत्तीसगढ़ का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर। हैदराबाद में चल रहे इंटरनेशनल रिंग फाइट चैंपियनशिप 2025 में छह गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रांज के साथ छत्तीसगढ़ की टीम ने हैदराबाद ही नहीं, अपितु पूरे देश में डंका बजा दिया। छत्तीसगढ़ गर्ल्स रिंग फाइट की टीम ने अलग-अलग वर्गों के संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में चार गोल्ड मेडल अपने नाम किए। वहीं, ब्वायज की टीम ने दो गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रांज मेडल अपने नाम किए। छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन के संरक्षक और महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले और एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन दंडवते समेत सभी पदाधिकारियों ने विजयी खिलाड़ियों को बधाई दी। टीम के कोच व मैनेजर प्रवीण क्षीरसागर ने बताया कि ब्वायज टीम के मैच रविवार को हुए। पहले अंडर-14 (50 किलो) वर्ग में छत्तीसगढ़ के गौरव हिमने ने तमिलनाडु के जी. शशांक को हराकर सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। दूसरे मुकाबले अंडर-14 (55 किलो) में वेदांत साहू ने ब्रांज मेडल के हुए मुकाबले में अंडमार निकोबार के जी सामंथा को परास्त किया। तीसरे अंडर-14 (45 किलो) के रोचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ के तुषार वर्मा ने अरुणाचल प्रदेश के अजीत कुमार बरुआ को हराकर गोल्ड मेडल जीता।

वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप अंटालिया में छत्तीसगढ़ की टिकेश्वरी को 9वीं रैंकिंग

रायपुर। वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप 23 मई - 01 जून 2025 अंटालिया (टर्की) में भारत का प्रतिनिधित्व करने खेल एवं युवा कल्याण विभाग दंतेवाड़ा की कोच कु. टिकेश्वरी साहू 13 सदस्यीय भारतीय म्यू थाई दल के अन्य सदस्यों के साथ इस्ताम्बुल होते हुए अंटालिया (टर्की) में भाग ले रही हैं। राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने आगे बताया कि सोमवार को सम्पन्न वाए क्रू (एकल प्रदर्शन) इवेन्ट में विश्व के खिलाड़ियों के साथ टिकेश्वरी साहू फाइनल में पहुंची और 70 देशों के खिलाड़ियों के मुकाबले अंकों के आधार पर 9वीं रैंकिंग की उपलब्धि प्राप्त कर भारत और छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में गौरवान्वित किया। वाए क्रू इवेन्ट में अंकों के आधार पर 70 देशों में से प्रथम दस देश के खिलाड़ियों की रैंकिंग इस प्रकार रही- फिलीपींस, विएतनाम, यूक्रेन, जर्मनी, ईरान, टर्की, यू ए ई, इजिप्त, भारत और चेक गणराज्य। टिकेश्वरी साहू की उपलब्धि पर महासचिव स्टीफन फॉक्स ने प्रशंसा करते हुए व्यक्तिगत बधाई दी

सस्ती और आसानी से उपलब्ध सब्जी जो आपके स्वास्थ्य के लिए है बहुत फायदेमंद

थायराइड की समस्या को बढ़ने से रोकने के लिए डाइट में शामिल करें ये शाकाहारी खाद्य पदार्थ

थायराइड ग्रंथि गले के पिछले हिस्से में तितली के आकार की होती है। यह शरीर के कई कामों को नियंत्रित करने में मदद करती है। अगर यह ठीक से काम नहीं करती है तो कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में कुछ ऐसे शाकाहारी खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं, जो थायराइड की समस्या को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकते हैं। आइए उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं।

पालक

पालक एक ऐसी हरी पत्तेदार सब्जी है, जो लोहे, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-के से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर में थायराइड हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा पालक में आयोडीन की मात्रा भी होती है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए जरूरी है। पालक का सेवन आप सलाद के रूप में कर सकते हैं या इसे सूप, परांठे और सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

पत्तागोभी

पत्तागोभी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और फाइबर होता है, जो शरीर में थायराइड हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा पत्तागोभी में कैल्शियम और विटामिन-सी भी होता है, जो शरीर के लिए जरूरी है। पत्तागोभी का सेवन आप सलाद के रूप में कर सकते हैं या इसे सब्जी, परांठे और सूप बनाकर भी खा सकते हैं। यह एक सस्ती और आसानी से उपलब्ध सब्जी है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है।

आलू

आलू में पोटैशियम, मैग्नीशियम, फाइबर और विटामिन-C होता है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए जरूरी है। आलू में आयोडीन की मात्रा भी होती है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए जरूरी है। आलू का सेवन आप चिप्स, परांठे, टिक्की आदि रूपों में कर सकते हैं। आलू सस्ता और आसानी से मिलने वाली सब्जी है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। आलू का सेवन करने से आपकी थायराइड समस्या में सुधार हो सकता है।

केला

केला पोटैशियम और मैग्नीशियम का अच्छा स्त्रोत है, जो थायराइड ग्रंथि के लिए जरूरी है। केले में विटामिन-सी और विटामिन-बी6 भी होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। केले का सेवन आप सुबह के नाश्ते या शाम के नाश्ते के रूप में कर सकते हैं। केले आसानी से मिलने वाले फल हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। केले का सेवन करने से आपकी थायराइड समस्या में सुधार हो सकता है।

कभी भी अंकुरित आलू न खाएं, कई स्वास्थ्य समस्याओं का करना पड़ सकता है सामना

आलू की सब्जी या चिप्स का सेवन करना पसंद करने वालों के लिए एक बड़ी चेतावनी है। अगर आप अंकुरित आलू खाना पसंद करते हैं तो अब से ऐसा करना छोड़ दें। अंकुरित आलू खाने से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, अंकुरित आलू में एक जहरीला तत्व होता है, जो खाने के दौरान पेट में पहुंचकर उल्टी, दस्त और यहां तक कि बेहोशी का कारण बन सकता है।

अंकुरित आलू में होता है एक जहरीला तत्व : आलू में एक जहरीला तत्व निकलता है, जिसे सोलनिन कहा जाता है। यह तत्व आलू के हरे हिस्से और अंकुरणों में अधिक मात्रा में पाया जाता है। अगर आप इन्हें खा लेते हैं तो आपको उल्टी, दस्त, पेट दर्द और यहां तक कि बेहोशी का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अंकुरित आलू को किसी भी तरह से खाने की गलती न करें। अंकुरित आलू को खाने से पहले आप इसके हरे हिस्से को भी न खाएं।

अंकुरित आलू को कैसे पहचानें : अगर आपको लगता है कि अंकुरित आलू खाने से कोई नुकसान नहीं होता है तो आप गलत हैं। अंकुरित आलू को पहचानना आसान है। दरअसल, अंकुरित आलू में छोटे-छोटे हरे रंग के अंकुर निकल आते हैं। इसके अलावा अंकुरित आलू में हरी पत्तियां भी निकल आती हैं, जिन्हें आप खाने से बचें। अगर आप इसे किसी तरह से खाने की गलती कर लेते हैं तो आपको उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बेहोशी का भी सामना करना पड़ सकता है।

अंकुरित आलू से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं : अगर आप अंकुरित आलू खा लेते हैं तो आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे आपको उल्टी, दस्त, पेट दर्द और यहां तक कि बेहोशी का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अंकुरित आलू को खाने से पहले आप इसके हरे हिस्से को भी न खाएं। अगर आपको किसी तरह से अंकुरित आलू खाने की गलती हो जाती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

अंकुरित आलू की जगह क्या खाएं : आलू खरीदते समय अंकुरित आलू न खरीदें या घर में रखा अंकुरित आलू भी किसी सब्जी के लिए न इस्तेमाल करें। आप अंकुरित आलू की जगह अन्य सब्जियों का भी सेवन कर सकते हैं जैसे टमाटर, गोभी, मटर आदि।

मच्छरों को दूर रखने में सहायक हैं ये पौधे, घर में जरूर लगाएं

मच्छरों के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलती हैं इसलिए इन्हें अपने घर से दूर रखना जरूरी है। इसके लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ पौधे भी हैं, जो मच्छरों को घर से दूर रख सकते हैं? ये पौधे अपने खास गुणों के कारण घर के वातावरण को भी बदल सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे पौधों के बारे में बताते हैं, जो घर में लगाने चाहिए।

लेमनग्रास का पौधा : लेमनग्रास अपनी खट्टे-सिट्रस खुशबू से मच्छरों को दूर रखता है। इसे अपने बगीचे या बालकनी में लगाएं ताकि इसकी खुशबू पूरे घर में फैले। लेमनग्रास विटामिन-C से भरपूर होती है, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होती है। इसके अलावा लेमनग्रास का उपयोग दवाओं में किया जाता है, जिससे यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। आप इसे आसानी से अपने बगीचे या बालकनी में लगा सकते हैं।

लैवेंडर का पौधा : लैवेंडर का पौधा अपनी खुशबू के लिए जाना जाता है, लेकिन यह मच्छरों को भगाने में भी मदद कर सकता है। इसे घर के बाहर या अंदर कहीं भी लगाया जा सकता है। लैवेंडर की खुशबू मच्छरों को नापसंद होती है, जिससे वे आपके घर से दूर

रहते हैं। इसके अलावा लैवेंडर के तेल का उपयोग भी किया जा सकता है, जो मच्छर भगाने में असरदार होता है। इसके अलावा यह पौधा आपके घर की शोभा भी बढ़ाता है।

तुलसी का पौधा : तुलसी का पौधा भारतीय घरों में आमतौर पर पाया जाता है, लेकिन इसके गुण सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं हैं। तुलसी की तासीर गर्म होती है, जो मच्छरों को दूर रखने में मदद करती है। नियमित रूप से तुलसी के पत्तों का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और त्वचा पर भी निखार आता है। इसके अलावा तुलसी की खुशबू भी मच्छरों को नापसंद होती है, जिससे वे आपके घर से दूर रहते हैं।

पुदीने का पौधा : पुदीने की खुशबू भी मच्छरों को नापसंद होती है, इसलिए इसे अपने घर में लगाने से काफी फायदा होता है। पुदीने का पौधा न केवल खाने-पीने में उपयोगी होता है, बल्कि इसकी खुशबू भी मच्छरों को दूर रखती है।

रोजाना दूध वाली चाय पीने से शरीर में पड़ सकते हैं अनेक गंभीर दुष्प्रभाव

दूध वाली चाय का सेवन बहुत से लोग सुबह के समय करते हैं। यह न केवल स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी होते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोजाना दूध वाली चाय पीने से क्या-क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं? इस लेख में हम आपको उन पांच गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में बताएंगे, जो आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं। इन दुष्प्रभावों को जानकर आप अपनी आदतों में बदलाव ला सकते हैं।

पाचन तंत्र पर पड़ता है बुरा असर : दूध वाली चाय का सेवन पाचन तंत्र पर बुरा असर डाल सकता है। इसमें मौजूद कैफीन और दूध की मात्रा मिलकर पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे पेट दर्द, गैस, अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा दूध और चाय के मिश्रण से पेट में जलन भी बढ़ सकती है, जिससे असुविधा हो सकती है। अगर आप रोजाना ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं तो आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शरीर में आयरन की कमी होना : दूध वाली चाय में मौजूद एक तत्व आयरन को शरीर में जाने से रोकता है। इससे शरीर में आयरन की कमी हो सकती है, जिससे खून की कमी जैसी समस्या हो सकती है। आयरन की कमी के कारण थकान, कमजोरी और कमजोरी महसूस होना जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आप रोजाना एक कप से ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं तो आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

दांतों को हो सकता है नुकसान : दूध वाली चाय दांतों के लिए भी नुकसानदायक हो सकती है। इसमें मौजूद चीनी और एसिड दांतों को कमजोर बना सकते हैं, जिससे दांतों में छेद जैसी समस्या हो सकती है। इसके अलावा दूध और चाय के मिश्रण से दांतों में संवेदनशीलता बढ़ सकती है, जिससे दर्द या असुविधा हो सकती है। इसलिए अगर आप रोजाना एक कप से ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं तो आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

नींद में आती है दिक्कत

दूध वाली चाय में मौजूद कैफीन नींद में खलल डाल सकता है। इससे नींद पूरी नहीं होती और व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है। इसके अलावा कैफीन के ज्यादा सेवन से नींद न आने की समस्या भी हो सकती है। इसलिए अगर आप रोजाना एक कप से ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं तो आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप रात को सोने से पहले चाय न पिएं।

वजन बढ़ना

दूध वाली चाय का लगातार सेवन वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। इसमें मौजूद चीनी और वसा वजन बढ़ाने वाले कारक हो सकते हैं। इसके अलावा दूध और चाय के मिश्रण से पेट फूलना और अपच जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए अगर आप रोजाना एक कप से ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं तो आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप बिना चीनी वाली काली चाय का सेवन करें।

गर्मियों के लिए शॉपिंग करने जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें, वरना होंगे परेशान...

सही फैब्रिक हो

यदि आप शॉपिंग करने जा रहे हैं तो ये बात ध्यान रखें कि इस मौसम में हमेशा हल्के फैब्रिक वाले कपड़े ही कैरी करने चाहिए। इनमें कॉटन, लिनन, खादी जैसे फैब्रिक शामिल हैं। ये पसीना जल्दी सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं। इस दौरान नायलॉन, पॉलिएस्टर जैसे कपड़े तो कतई न खरीदें।

सही हो रंग

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों का ही चयन करें, क्योंकि ये रंग ठंडक का एहसास कराते हैं। खासतौर पर सफेद, बेबी पिंक, पेस्टल ब्लू, लाइट येलो जैसे रंग गर्मी के मौसम में सबसे परफेक्ट माने जाते हैं। जो डार्क रंग होते हैं, उन्हें पहनकर गर्मी ज्यादा लगती है, इसलिए इनसे दूर रहें।

सही फिटिंग हो जरूरी

इस मौसम में गलती से भी ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें। कपड़े पहनते समय इसकी फिटिंग चेक करें, कि कहीं ये टाइट तो नहीं है। इस मौसम में हमेशा लूज और फ्लोई आउटफिट्स में आराम मिलता है। ये त्वचा को सांस लेने का मौका प्रदान करते हैं।

ऐसे होने चाहिए फुटवियर

गर्मियों के मौसम में जूते पहनने से बचें। इस सीजन में सैंडल, स्लिपर्स, क्रॉक्स जैसे ओपन फुटवियर पहनना बेहतर होता है। जो फुटवियर खुले होते हैं, उनकी वजह से पैरों को हवा मिलती रहती है। जिस कारण पैरों में पसीना कम आता है।

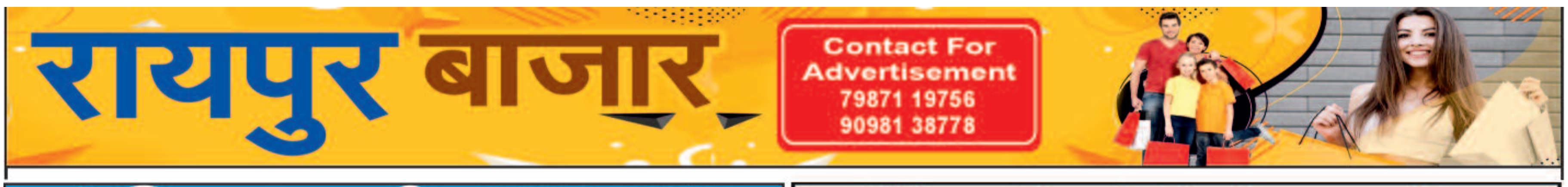

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ये फिल्में हैं सबसे ज्यादा डरावनी, बॉक्स ऑफिस पर कमाए करोड़ों

हॉलीवुड की फिल्म 'फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स' भारत में 15 मई को रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म ने खबर लिखे जाने तक भारत में 34.85 करोड़ का कारोबार किया है। यह फिल्म हॉरर है जो लोगों को खूब पसंद आ रही है। ऐसे में हम बता रहे हैं कि हॉलीवुड की कौन सी फिल्में हैं जो बहुत डरावनी हैं और इन्हें लोगों ने पसंद किया है। द कॉन्ज्यूरिंग : 'द कॉन्यूरिंग' फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन जेम्स वान ने किया था। फिल्म में वेरा फार्मिगा, पैट्रिक विल्सन और रॉन लिविंगस्टन ने अभिनय किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही थी। फिल्म का बजट 20 मिलियन डॉलर था, जबकि इसने दुनियाभर में 319.5 मिलियन डॉलर कमाए थे। द रिंग : साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'द रिंग' को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। फिल्म में दिखाया गया है कि एक रहस्यमयी वीडियो टेप देखने के बाद दर्शक की मौत हो जाती है। फिल्म में नाओमी वाट्स, मार्टिन हेंडरसन और ब्रायन कॉक्स ने अदाकारी की है। 48 मिलियन डॉलर के बजट में बनी इस फिल्म ने 249.3 मिलियन डॉलर कमाए थे।

टॉलीवुड

'कुबेर' का टीजर रिलीज, बिना डायलॉग के भी छा गए नागार्जुन और रश्मिका

फिल्म 'कुबरे' में लीड में धनुष, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना हैं, नेगेटिव के रोल में जिम सरभ नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का तमिल टीजर रिलीज किया गया। टीजर के बैकग्राउंड में बस एक गाना बजता है, कोई डायलॉग नहीं है। हर कलाकार का अभिनय बिना डायलॉग के भी दमदार दिख रहा है। 'कुबेर' फिल्म के चंद मिनट के टीजर में धनुष, रश्मिका मंदाना, नागार्जुन और जिम सरभ अपने संजीदा अभिनय से प्रभावित करते हैं। यह एक सोशल थ्रिलर फिल्म है, फिल्म को शेखर कम्मुला ने निर्देशित किया है। टीजर में पैसों का ढेर, एक्शन और ड्रामा की झलक मिलती है। फिल्म 'कुबेर' में धनुष के लुक को देखकर दर्शक हैरान हो सकते हैं। कुछ सीन्स में वह एक गरीबी, लाचार किस्म के आदमी के तौर पर दिखते हैं। वहीं दूसरे सीन्स में अलग ही अंदाज में धनुष का नजर आता है। वहीं नागार्जुन एक फैमिली मैन के रोल में नजर आते हैं। रश्मिका का किरदार क्या है, इसका साफ पता नहीं चलता लेकिन वह धनुष के किरदार के साथ खड़ी नजर आती है। फिल्म 'कुबेर' को तेलुगू, तमिल और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है। पैन इंडिया फिल्म के तौर पर यह फिल्म रिलीज होगी। अभी इस फिल्म की रिलीज डेट 20 जून सामने आई है। तमिल फिल्म 'कुबेर' के अलावा धनुष आनंद एल रॉय निर्देशित फिल्म 'तेरे इश्क में' भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह कृति सेनन के अपोजिट दिखेंगे। आनंद एल रॉय और धनुष पहले भी 'रांझणा' और 'अतरंगी रे' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

भोजपुरी

'जादू तेरी नजर- डायन का मौसम' में मोनालिसा की एंट्री, कहानी लेगी नया मोड़

स्टार प्लस का नया शो 'जादू तेरी नजर - डायन का मौसम' अपने रहस्यमयी और रोमांचक ट्विस्ट के चलते पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा में है। अब इस शो में होने जा रही है एक धमाकेदार एंट्री—टीवी और भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा की, जो एक बेहद अहम और चौंकाने वाले किरदार में नजर आएंगी। शो की कहानी एक बहादुर लड़की गौरी की है, जिसके पास कुछ छिपी हुई जादुई शक्तियां हैं। गौरी इन ताकतों के सहारे उस अंधेरे से लड़ रही है, जो उसके परिवार और पूरी दुनिया को अपने कब्जे में लेने की ताक में है। भारतीय लोक कथाओं की रहस्यमयी दुनिया से प्रेरित यह फैंटेसी ड्रामा हर एपिसोड के साथ नए राज और मोड़ों को सामने लाता है। अब इसी कहानी में मोनालिसा की एंट्री से बड़ा भूचाल आने वाला है। स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'नज़र' में डायन मोहना के किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकीं मोनालिसा एक बार फिर सुपरनैचुरल दुनिया में वापसी कर रही हैं-इस बार एक नए, बोल्ड और रहस्यमयी अवतार में। मोनालिसा ने अपनी वापसी पर कहा, स्टार प्लस के इस रोमांचक शो का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह किरदार मेरे लिए बहुत खास है और मैं वादा करती हूं कि मेरी एंट्री के बाद कहानी में ऐसे ट्विस्ट आएंगे जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। दर्शकों के साथ दोबारा जुड़ने का इंतजार मुझे बेसब्री से है। मोनालिसा का किरदार शो में नई ऊर्जा और रहस्य लेकर आएगा। अभी यह साफ नहीं है कि वह कहानी में नायक होंगी या खलनायक, लेकिन इतना तय है कि उनकी एंट्री से कहानी की दिशा पूरी तरह बदलने वाली है।

लाइफ स्टाइल

आलिया ने गुच्ची साड़ी लुक ने मचाया तहलका

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने फैशन स्टाइल और अट्रैक्टिव लुक से सबको दीवाना बना दिया। उनके रेड कार्पेट लुक की चर्चा इन दिनों हर जगह हो रही है। पहले दिन आलिया ने सॉफ्ट बेज कलर के प्रिंसेस लुक गाउन में सबको प्रभावित किया था, वहीं, क्लोजिंग सेरोमनी के दिन बेहद ही यूनिक साड़ी पहनकर सबका दिल जीत लिया। इस साड़ी की खास बात ये थी कि इसे मशहूर फैशन हाउस गूची ने पहली बार तैयार की थी। इस साड़ी का पैटर्न जालीदार है। साथ ही इस पर ब्रांड का लोगो भी ऐड किया गया है। ब्लाउज का डिजाइन डीप वी नेकलाइन में है।. साड़ी में कोई प्लीट्स नहीं, बल्कि इसे टाइट फिटिंग स्कर्ट का लुक दिया गया है। पल्लू भी ट्रेडिशनल तरीके से ड्रेप न करते हुए कंधे पर एक साइड बैज्वैल्ड दुपट्टे की तरह कैरी किया हुआ था।

गर्मी में अटैंड करनी है पार्टी तो बालों को ऐसे करें स्टाइल कि देखते रह जाएं लोग

सर्दी के मौसम में तो शादी-पार्टी अटेंड करना हर किसी को पसंद होता है, क्योंकि तब तैयार होते समय किसी तरह की परेशानी नहीं होती है। लेकिन जब गर्मी के मौसम में किसी शादी-पार्टी के लिए तैयार होना पड़े, तब काफी गुस्सा आता है। खासतौर पर महिलाओं को तो ये समझ नहीं आता कि वो बालों को कैसे स्टाइल करें। क्योंकि बालों को खुला रखने से सबसे ज्यादा गर्मी लगती है। ऐसे में हम आपको गर्मी के मौसम के लिए कुछ खास और सिंपल हेयर स्टाइलों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप इस मौसम में भी स्टाइल बरकरार रखें।

लो बन देता है काफी क्यूट लुक : गर्मी के मौसम में लो बन काफी क्यूट लुक देने का काम करता है। लो बन लंबे और छोटे दोनों तरह के बालों में अच्छा लगता है। लंबे बालों में बन बनाना तो काफी आसान है, लेकिन यदि आपकी बाल छोटे हैं तो बन बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में इसे जूड़ा पिन की मदद से सेट करें। चाहें तो आप इसमें गजरा लगा सकते हैं, ताकि आपका लुक अच्छा लगे।

आजकल महिलाओं की पहली पसंद मेसी बन : आज-कल महिलाओं को मेसी बन बनाना काफी पसंद आ रहा है। इस तरह की हेयर स्टाइल में बालों को पहले हल्का कर्ल किया जाता है और फिर उससे बन बनाया जाता है। ऐसा करने से बाल और भी ज्यादा घने लगते हैं। कर्ल करने के बाद यदि बालों में मेसी बन बनाया जाए तो छोटे बालों में भी परेशानी नहीं होती और बाल काफी घने लगते हैं।

ब्रेडेड हेयर स्टाइल : जिन लोगों के फेस पर जूड़ा अच्छा नहीं लगता वो ब्रेडेड हेयर स्टाइल बना सकते हैं। इसके लिए बालों से ब्रेड्स बना लें। इसी पीछे की साइड करके अटैच कर लें, ताकि ये आपको गर्मी से बचाए और स्टाइल भी दे। ऐसी हेयर स्टाइल वेस्टर्न पर भी खूब जचती है।

हाफ अप-हाफ डाउन स्टाइल

जिन महिलाओं को खुले बाल रखना पसंद है, लेकिन गर्मी के मौसम में खुले बाल रखना काफी मुश्किल काम है। ऐसे में आप गर्मी के मौसम में हाफ अप-हाफ डाउन स्टाइल कैरी कर सकती हैं। इसके लिए आपको अपने आधे बालों को पीछे की साइड करके पिन करना है, तो वहीं बाकी बालों को खुला रखना है।

स्लीक पोनीटेल

आज-कल अभिनेत्रियां भी स्लीक हेयर स्टाइल कैरी करना पसंद करती हैं। ऐसे में आप भी चाहें तो स्लीक स्टाइल की पोनीटेल बनाकर अपने लुक को परफेक्ट बनाएं। स्लीक पोनीटेल हर तरह के आउटफिट के साथ कमाल की लगती है।

डार्क रंग के कपड़ों से बढ़ जाता है शरीर का तापमान, ऐसे स्टाइल करें ब्लैक आउटफिट

फैशन

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे ब्लैक रंग न पसंद हो। ये एक ऐसा रंग है, जिसे कभी भी, किसी भी मौके पर पहना जा सकता है। ब्लैक रग का आउटफिट अपने आप में ही रॉयल लुक देने का काम करता है। लेकिन गर्मी के मौसम में ब्लैक आउटफिट पहनने में काफी परेशानी आती है।

दरअसल, गर्मी के मौसम में डार्क रंग पहनने से न सिर्फ और भी ज्यादा गर्मी लगती है, बल्कि घमौरियां होने की आंशका भी काफी हद तक बढ़ जाती है। इसी कारण हम आपको गर्मी में ब्लैक आउटफिट को सही तरह से स्टाइल करने के टिप्स देंगे। इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने लुक में बदलाव कर सकते हैं।

फैब्रिक हो सही : अपने लिए ब्लैक आउटफिट खरीद रहे हैं, या उसे पहनने जा रहे हैं तो पहले ये देख लें कि इसका फैब्रिक गर्मी के मौसम के हिसाब से हो। गर्मी के मौसम मे आप कॉटन, लिनन या रेयॉन फैब्रिक के ब्लैक आउटफिट कैरी कर सकते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक से दूर रहें, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन का खतरा रहेगा।

बॉडी फिटिंग से रहें दूर : गर्मी के मौसम में ज्यादा फिटिंग के कपड़े वैसे भी दिक्कत बढ़ा सकते हैं। खासतौर पर यदि इनका रंग ब्लैक होगा, तो ये आपको और परेशान कर देंगे। इसलिए इस मौसम में हमेशा ढीले ब्लैक आउटफिट ही पहनें, ताकि आपकी त्वचा पर किसी तरह की कोई परेशानी न होने पाए।

लेयरिंग से रहें दूर : इस भीषण गर्मी में तो वैसे भी लेयरिंग से दूर ही रहना चाहिए। पर, जब बात हो रही है ब्लैक आउटफिट की तब तो इस बात को गांठ बांध लें कि इसके साथ लेयरिंग तो भूल के भी न करें। इससे आपकी परेशानी कई गुना बढ़ जाएगी लेयरिंग सिर्फ सर्दी के मौसम में अच्छी रहती है।

एक्सेसरीज हो हल्की : अपने ब्लैक आउटफिट लुक के साथ हल्की एक्सेसरीज का चयन करें। हैट, सनग्लासेस, हल्की ज्वेलरी या स्लिंग बैग के साथ अपने लुक को कंप्लीट करें। इसके साथ यदि आप ज्यादा हैवी एक्सेसरीज कैरी करेंगे तो इससे भी आप परेशानी में पड़ सकते हैं।

मेकअप रखें लाइट : गर्मी के मौसम में वैसे भी ज्यादा हैवी मेकअप की जरूरत नहीं पड़ती है। खासतौर पर जब आप ब्लैक रंग का आउटफिट कैरी कर रही हैं, तब तो अपने मेकअप को एकदम ही मिनिमल रखें। थोड़ा सा भी ज्यादा मेकअप आपको गर्मी में परेशान कर देगा।

सीक्विन साड़ी खरीदते समय अवश्य रखें इन बातों का ध्यान, ताकि लुक देखकर जलने लगें लोग

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे हर उम्र की भारतीय महिलाएं पहनना पसंद करती हैं। साड़ी पहनकर महिलाओं का लुक सबसे खूबसूरत लगता है, यही वजह है कि आज के समय में तो महिलाएं पूजा-पाठ, शादी-विवाह और पार्टियों में भी साड़ी पहनना पसंद करती हैं। आज-कल के समय में महिलाओं को सीक्विन वर्क की साड़ी काफी पसंद आती है, पर क्या आप जानती हैं कि इस साड़ी को खरीदने से पहले काफी सोचने और समझने की जरूरत है। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि सीक्विन वर्क की साड़ी खरीदते समय आपको किन बातों का ध्यान रखने की जरूरत पड़ती है, ताकि आप परफेक्ट साड़ी पहनकर अपने लुक को कई गुना खूबसूरत बना सकें।

सही हो फैब्रिक

यदि आप सीक्विन वर्क की साड़ी खरीद रही हैं तो पहले उसका फैब्रिक देख लें। दरअसल, सीक्विन वर्क के बाद साड़ी काफी हैवी हो जाती है। इसलिए हल्के फैब्रिक वाली सीक्विन वर्क की साड़ी खरीदें, ताकि इसे पहनकर आपको किसी तरह की परेशानी न होने पाए। बहुत ज्यादा भारी साड़ी पहनना और कैरी करना मुश्किल हो सकता है, खासकर तब, जब आपको लंबे समय के लिए साड़ी पहननी हो।

क्वालिटी देखें

सीक्विन वर्क की साड़ी खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि इस पर वर्क अच्छे और सफाई से हो। यदि रफली काम होगा, तो ये आपकी साड़ी को खराब दिखाएगा। अच्छे से ये चेक

हर महिला के पास होनी चाहिए हाथों में पहनने वाली खूबसूरत व लेटेस्ट एक्सेसरीज

हाथ की एक्सेसरीज की बात करें तो ये गहने न केवल सुंदर दिखते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकते हैं। चाहे आप किसी शादी या पार्टी में जा रही हों या रोजमर्रा के कामकाज में, हाथ के गहने आपके व्यक्तित्व को निखार सकते हैं। इस लेख में हम आपको पांच ऐसी हाथ की एक्सेसरीज के बारे में बताएंगे, जो हर महिला की एक्सेसरीज किट का अहम हिस्सा होनी चाहिए।

चूड़ियां : चूड़ियां बहुत लोकप्रिय होती जा रही हैं और आजकल तो बाजार में कई रंग और डिजाइन में चूड़ियां उपलब्ध हैं। ये चूड़ियां न केवल स्टाइलिश दिखती हैं बल्कि इन्हें पहनना भी आरामदायक होता है। आप विभिन्न रंगों और डिजाइनों में इन चूड़ियों का चयन कर सकती हैं, जो आपके व्यक्तित्व को दर्शाती हों। इन चूड़ियों को आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं और ये आपके लुक को और भी खास बना सकती हैं।

अंगूठी : अंगूठी एक ऐसा गहना है, जो हमेशा आपके साथ रहता है और आपके व्यक्तित्व को निखारता है। आप ऑक्सीडाइज, स्टोन या फिर कुंडन की अंगूठियां चुन सकती हैं, जो आपके स्टाइल के अनुकूल हों। कुंडन की अंगूठियां खास मौकों पर पहनने के लिए बेहतरीन होती हैं, वहीं ऑक्सीडाइज और स्टोन की अंगूठियां रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त होती हैं। अंगूठी पहनने से आपके हाथों की सुंदरता बढ़ती है और यह आपके पूरे लुक को खास बनाती है।

कलाई घड़ी : कलाई घड़ी न केवल समय बताती है बल्कि यह आपके हाथों को भी सजाती है। आजकल बाजार में कई प्रकार की घड़ियां उपलब्ध हैं, जिनमें पारंपरिक से लेकर आधुनिक डिजाइनों तक शामिल हैं। आप अपनी पसंद और आवश्यकता अनुसार घड़ी चुन सकती हैं। इसके अलावा आप कड़े या चेन की घड़ियों का चयन कर सकती हैं, जो आपके स्टाइल के अनुकूल हों।

कार्नर न्यूज

शादी में सजने-संवरने के बाद पसीने से तर-बतर होना कोई नहीं करता पसंद

गर्मी में अटैंड करनी है शादी तो खरीद लें ऐसे आउटफिट, ताकि बिना पसीने में भीगे करें डांस

दिन में तपती धूप, रात में उमस और पसीना से तर-ब-तर शरीर गर्मी में बहुत परेशान करता है। ऐसे में अगर आपको किसी शादी में जाना पड़ जाए तो इस स्थिति में न आप कह नहीं सकती हैं और जाने का आपका मन नहीं करता है। हैवी लहंगे-साड़ी को देखते ही पसीना छूट जाता है। कुछ हल्का पहनने की सोचती हैं तो अच्छा नहीं लगता। ऐसे में आपको इस मौसम के लिए कुछ खास फ्रेब्रिक के आउटफिट का चयन करना चाहिए, जो कूल-कूल रखने के साथ ही कूल लुक भी दें।

हल्के फैब्रिक की साड़ियां

गर्मी में साड़ी पहनना चाहती हैं, लेकिन भारी साड़ी पहनने में और संभालने में मुश्किल होती है तो बनारसी या सिल्क साड़ी की जगह आप कॉटन, ऑर्गेंजा, लिनेन या चंदेरी जैसी लाइटवेट फैब्रिक की साड़ियां चुनें। ये न सिर्फ देखने में सुंदर लगती हैं, बल्कि त्वचा को सांस भी लेने देती हैं। ये आपको एलीगेंट लुक भी देती हैं। आप साड़ी को स्लीवलेस या बैकलेस ब्लाउज के साथ पेयर करें और कम-से-कम ज्वेलरी से लुक को कंप्लीट करें।

क्लासिक कुर्ता सेट्स

अगर आप कुछ ट्रेडिशनल पहनना चाहती हैं, लेकिन झंझट नहीं चाहतीं तो एक सुंदर कुर्ता सेट पहनकर शादी में खास नजर आ सकती हैं। कॉटन, चिकनकारी या मलबरी सिल्क के कुर्ते गर्मी में बेहद आरामदायक होते हैं। इन्हें प्लाजों या स्ट्रेट पैंट्स के साथ स्टाइल करें। इसमें आप सिंपल और सोबर नजर आएंगी। साथ ही ध्यान रखें कि दुपट्टा बहुत हैवी न हो। नेट या ऑर्गेंजा का हल्का दुपट्टा कैरी करें।

क्लासी को-ऑर्ड सेट्स

मॉडर्न लुक विद ट्रेडिशनल टच चाहती हैं तो इन दिनों आपके लिए को-ऑर्ड सेट्स ट्रेंड में हैं। ये खासकर उन महिलाओं के लिए बेस्ट हैं, जो शादी में सिर्फ ट्रेडिशनल ही पहनना पसंद करती हैं। को-ऑर्ड सेट में ढेर सारे विकल्प मौजूद हैं, जैसे- गोटा पट्टी वर्क, चंदेरी या जामदानी या फिर हैंडब्लॉक प्रिंट्स वाले को-ऑर्ड सेट्स। ट्रेडिशनल लाइट फैब्रिक वाले प्रिंटेड या सॉलिड को-ऑर्ड सेट्स आपको स्टाइलिश और गर्मी से राहत दे सकते हैं।

हैवी एंब्रॉयडरी नहीं

फैशन डिजाइनर, शीतल भदानी चंद्रा का कहना है गर्मी के मौसम में शादी अटेंड करना एक चुनौती हो सकती है, लेकिन सही कपड़े पहनकर आप न सिर्फ कूल महसूस कर सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकती हैं। इस मौसम में आप हल्के, सांस लेने वाले फैब्रिक्स, जैसे कि कॉटन, लिनेन और शिफॉन को चुनें। ये न केवल स्किन-फ्रेंडली होते हैं, बल्कि पसीने से भी राहत देते हैं। महिलाएं हल्के रंगों में फ्लोई अनारकली, अंगरखा स्टाइल कुर्ता या शिफॉन/कॉटन साड़ी-धागे का वर्क ट्राई कर सकती हैं। पेस्टल रंग, जैसे कि मिंट ग्रीन, बेबी पिंक, लैवेंडर और ऑफ व्हाइट गर्मी के लिए परफेक्ट हैं। हैवी एंब्रॉयडरी से बचें। इसकी जगह चिकनकारी, हैंडब्लॉक प्रिंट्स या लाइट गोटा वर्क के कपड़े सही रहेंगे। हल्की ज्वेलरी और कम-से-कम मेकअप लुक को कंप्लीट करेंगे। पैरों में जूती या ओपन सैंडल पहनें, ताकि पैरों में हवा लगती रहे।